Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-17, अंक-15 01-15 अगस्त, 2022 (पाक्षिक) ₹20

देश के लिए स्वर्णिम क्षण

राष्ट्रपति चुनाव 2022

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की शपथ गरीब एवं वंचित लोगों के लिए ऐतिहासिक क्षणः प्रधानमंत्री

जगदीप धनखड़ बने राजग के उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी

मध्य प्रदेश नगर निकाय चुनाव में भाजपा की शानदार जीत

भारत ने लगाए 200 करोड़ से अधिक कोविड-19 रोधी टीके

माउंट आबू (राजस्थान) में 12 जुलाई को भाजपा, राजस्थान प्रदेश प्रशिक्षण वर्ग के समापन अवसर पर एक समूह चित्र में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और भाजपा कार्यकर्तागण

नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में 24 जुलाई को मुख्यमंत्री परिषद् की बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

लेडी हार्डिंग अस्पताल (नई दिल्ली) में 20 जुलाई को भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 'फ्री बूस्टर डोज अभियान' के तहत टीकाकरण केंद्र का दौरा किया और स्वास्थ्यकर्मियों से की मुलाकात

नई दिल्ली में 18 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद हेतु राजग उम्मीदवार श्री जगदीप धनखड़ के नामांकन दाखिल करते समय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और अन्य वरिष्ठ नेतागण

गांधीनगर (गुजरात) में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन के बाद एक जनसभा को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में 15 जुलाई को युद्धपोत 'दूनागिरी' के जलावतरण अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 राजग उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू ने रचा इतिहास, भारत की पहली आदिवासी राष्ट्रपति बनी

भारत की राजनीति में एक अभूतपूर्व इतिहास लिखने वाली राष्ट्रपति पद की राजग उम्मीदवार श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने 21 जुलाई को राष्ट्रपति चुनाव में भारी जीत दर्ज की और 25 जुलाई को संसद के केंद्रीय कक्ष में देश की 15वीं राष्ट्रपति के रूप...

09 'जनजातीय समाज की महिला का राष्ट्रपति पद तक पहुंचना देश के लिए स्वर्णिम क्षण'

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से मिलकर उन्हें बधाई...

12 'आपने सिद्धांतों, ईमानदारी, कार्य, संवेदनशीलता और सेवा के उच्चतम मानक निर्धारित किए'

राष्ट्रपति के तौर पर श्री रामनाथ कोविंद के कार्यकाल पूर्ण होने से एक दिन...

20 राजस्थान में अगले साल भारी बहुमत से आएगी भाजपा : जगत प्रकाश नड्डा

माउंट आबू में 12 जुलाई को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने विश्वास जताते हुए कहा कि माउंट आबू से...

27 'आजादी के अमृतकाल को अंत्योदय के युग में बदलने के लिए प्रतिबद्ध हैं सभी मुख्यमंत्री'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 24 जुलाई, 2022 को भारतीय जनता पार्टी के नई...

श्रद्धांजलि

दार्शनिक व प्रखर राष्ट्रवादी श्री अरबिंदो 25

लेख

सामाजिक परिवर्तन की पर्याय द्रौपदी मुर्मू / **जगत प्रकाश नड्डा** 14
जनजाति सशक्तीकरण के संकल्प की मिसाल / **अमित शाह** 16
द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनने के सामाजिक मायने / **सुदर्शन भगत** 18
आई2यू2 शिखर सम्मेलन का उद्देश्य स्वच्छ
तकनीक के माध्यम से समृद्धि लाना है / **विकास आनंद** 31

अन्य

मेरा निर्वाचन इस बात का सबूत है कि भारत में गरीब सपने देख भी सकता है और उन्हें पूरा भी कर सकता है : द्रौपदी मुर्मू 08
राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का राष्ट्र के नाम आखिरी संबोधन 10
जगदीप धनखड़ बने राजग के उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी 13
मध्य प्रदेश नगर निकाय चुनाव में भाजपा की शानदार जीत 21
भारत ने लगाए 200 करोड़ से अधिक कोविड-19 रोधी टीके 22
प्रधानमंत्री ने नए संसद भवन की छत पर बने राष्ट्रीय प्रतीक का किया अनावरण 23
प्रधानमंत्री ने 'स्प्रिंट चैलेंज' का शुभारंभ किया 26
प्रधानमंत्री ने देवघर हवाई अड्डे का किया उद्घाटन 28
'भारत में लोकतन्त्र की अवधारणा उतनी ही प्राचीन है जितना प्राचीन ये राष्ट्र है' 30
बूस्टर डोज अभियान को सफल बनाएं : जगत प्रकाश नड्डा 32
'मन की बात' 33

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

आजादी के 75 वर्षों बाद भारत को विकास का सबसे बेहतरीन मौका मिला है। हमें अगले 25 वर्षों के कालखंड में देश का ज्यादा से ज्यादा विकास करके उसे नई ऊंचाई पर पहुंचाना है, नया भारत बनाना है।

जगत प्रकाश नड्डा

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में 'जल जीवन मिशन' के तहत 51 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण घरों तक नल से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा चुका है। इसके लिए माननीय प्रधानमंत्रीजी का अभिनंदन। शुद्ध पेयजल हर नागरिक का अधिकार है और मोदी सरकार इस ओर दृढ़ संकल्पित है।

अमित शाह

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी द्वारा आजादी के इस अमृत महोत्सव में 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरुआत की गयी है। इस अभियान से देशभर में लगभग 20 करोड़ घरों पर तिरंगे फहराये जाएंगे, जो हर नागरिक विशेषकर युवाओं के मन में देशभक्ति की अखंड ज्योति को और अधिक प्रखर करने का काम करेगा।

राजनाथ सिंह

भारत के प्रथम स्वाधीनता संग्राम के नायक एवं क्रांतिकारी मंगल पांडे का देश को पराधीनता से मुक्त कराने के लिए किया गया योगदान और बलिदान, भारतीय इतिहास का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अध्याय है। उनकी जयंती (19 जुलाई) पर मैं उन्हें स्मरण और नमन करता हूं।

बी.एल. संतोष

राष्ट्रपति चुनाव में ऐतिहासिक जीत पर भारत की बेटी श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को बधाई। भारत निश्चित रूप से उनके संवेदनशील व्यक्तित्व में सुरक्षित रहेगा। देश भर से उन्हें जो स्नेह मिल रहा है, वह इस बात का प्रमाण है।

नितिन गडकरी

कई वर्षों से विकास से दूर रहा बुंदेलखंड अब विकास की नई राह पर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी ने लगभग 14,850 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 296 किलोमीटर लंबे फोरलेन बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया। यह एक्सप्रेसवे प्रदेश में बेहतर कनेक्टिविटी के साथ-साथ औद्योगिक विकास को भी बढ़ावा देगा। क्षेत्र में हो रहे ये विकास कार्य प्रधानमंत्रीजी की जनता के प्रति कटिबद्धता को दर्शाते हैं।

संपादकीय

समावेशी राजनीति का उत्कृष्ट उदाहरण

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के साथ ही भारतीय लोकतंत्र की परिवर्तनकारी शक्ति में विश्वास और भी सुदृढ़ हुआ है। देश के एक सुदूर क्षेत्र के आदिवासी समुदाय की एक महिला का राष्ट्रपति पद तक की यात्रा, जिस पर आज हर भारतीय को गर्व हो रहा है; किसी को भी एक चमत्कार लग सकता है। यह मात्र किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, वरन् पूरे राष्ट्र, उसके संविधान, लोकतंत्र तथा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की गौरवपूर्ण उपलब्धि है। यह एक ऐसा महत्वपूर्ण अवसर है जब समाज के अंतिम व्यक्ति का विश्वास सरकार के 'अंत्योदय' के लिए प्रतिबद्धता पर और भी गहरा हुआ है तथा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' का मंत्र फलीभूत होता दिख रहा है। देश के सुदूर क्षेत्रों तक भी यह संदेश गया है कि वे भारत के साथ एकात्म हैं तथा देश के हाशिए पर रहनेवाले कमजोर से कमजोर वर्ग को भी यह पुनः अनुभूति हुई है कि भारत उनका भी है। श्रीमती मुर्मू की भारी अंतर से विजय से देश के उच्च आदर्शों एवं मूल्यों के लिए प्रतिबद्धता की दृढ़ संकल्पशक्ति पुनः प्रमाणित हुई है। यह एक ऐतिहासिक अवसर है, उत्सव मनाने का समय है।

आज जब पूरा देश सबसे बड़े संवैधानिक पद पर आदिवासी महिला के आसीन होने का उत्सव मना रहा है, यह भी एक सच्चाई है कि इस अवसर को आने में देश की स्वतंत्रता के बाद भी 75 वर्ष लग गए। यह सौभाग्य का विषय है कि देश के गरीब एवं वंचित वर्ग के किसी व्यक्ति का राष्ट्रपति के पद को सुशोभित करने का स्वप्न उस समय साकार हुआ है, जब पूरा राष्ट्र आजादी का 75वां वर्ष मना रहा है। श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को राजग प्रत्याशी के रूप में मनोनीत कर भाजपा ने सर्वसमावेशी राजनीति के लिए अपनी प्रतिबद्धता को पुनः देश के सामने रखा है। भाजपा ने पुनः राष्ट्र के कमजोर, वंचित, महिला एवं युवाओं में व्याप्त असीम संभावनाओं पर विश्वास व्यक्त किया है। आज जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश में व्यापक परिवर्तन हो रहा है, देश के हर वर्ग का सशक्तीकरण हो रहा है एवं हर व्यक्ति राष्ट्र के विकास में सहभागी बन रहा है।

आज जब राष्ट्र आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद को श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के द्वारा सुशोभित किया जाना एक प्रकार से आजादी से निकला 'अमृत' ही है, जिससे राष्ट्रीय जीवन और भी अधिक ऊर्जावान बनेगा। श्रीमती द्रौपदी मुर्मू एक ऐसी महिला के संघर्ष का प्रतिनिधित्व करती हैं जो आदिवासी समुदाय के होने के साथ-साथ देश के एक सुदूर क्षेत्र से आती हैं। वे करोड़ों भारतीयों के लिए प्रेरणा हैं जिन्हें उनके संघर्षशील जीवन से संबल प्राप्त होगा। सार्वजनिक जीवन के कई दायित्वों का निर्वहन कर उन्होंने गरीब, वंचित, पीड़ित एवं उपेक्षितों की सेवा करते हुए निरंतर गरीबी एवं विपरीत परिस्थितियों से संघर्ष किया। उनके व्यापक प्रशासनिक अनुभव, संवेदनशीलता एवं लोगों के लिए प्रतिबद्धता से निश्चित ही पूरे देश को लाभ मिलेगा। साथ ही, श्री रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति पद पर पांच वर्षों का गौरवपूर्ण कार्यकाल पूरा किया है तथा इस सर्वोच्च संवैधानिक पद के उच्च आदर्शों एवं गरिमा को और भी अधिक बढ़ाया है। उनकी उत्कृष्ट सेवा, अनुभव, गरिमापूर्ण आचरण एवं असाधारण नेतृत्व क्षमता के लिए राष्ट्र सदा उनका ऋणी रहेगा। आज जब पूरा राष्ट्र आदिवासी समुदाय की महिला द्वारा राष्ट्रपति पद को सुशोभित किए जाने पर उत्सव मना रहा है, श्री रामनाथ कोविंद के गरिमापूर्ण कार्यकाल पर राष्ट्र को गर्व हो रहा है। ■

आज जब राष्ट्र आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद को श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के द्वारा सुशोभित किया जाना एक प्रकार से आजादी से निकला 'अमृत' ही है, जिससे राष्ट्रीय जीवन और भी अधिक ऊर्जावान बनेगा

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

राजग उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू ने रचा इतिहास

भारत की पहली आदिवासी राष्ट्रपति बनी

भारत की राजनीति में एक अभूतपूर्व इतिहास लिखने वाली राष्ट्रपति पद की राजग उम्मीदवार श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने 21 जुलाई को राष्ट्रपति चुनाव में भारी जीत दर्ज की और 25 जुलाई को संसद के केंद्रीय कक्ष में देश की 15वीं राष्ट्रपति के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। भारत के प्रधान न्यायाधीश श्री एन.वी. रमण ने उन्हें राष्ट्रपति पद की शपथ दिलायी। शपथ ग्रहण समारोह में जाने से पहले श्रीमती मुर्मू राष्ट्रपति भवन पहुंचीं, जहां निर्वतमान राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने उनका स्वागत किया।

संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह से पहले निवर्तमान राष्ट्रपति और नवनिर्वाचित राष्ट्रपति संसद पहुंचे। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सर्वश्री एम. वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मंत्रिपरिषद् के सदस्य, कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, संसद सदस्य आदि समारोह में शामिल हुए।

> राष्ट्रपति चुनाव में श्रीमती मुर्मू को कुल 6,76,803 वोट मिले, जबकि श्री सिन्हा को 3,80,177 वोट प्राप्त हुए। मत प्रतिशत के हिसाब से श्रीमती मुर्मू को 64 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए, जबकि श्री यशवंत सिन्हा को 36 प्रतिशत वोट मिले

राष्ट्रपति के चुनाव हेतु 18 जुलाई को नई दिल्ली स्थित संसद भवन और सभी राज्यों की राजधानियों राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और केन्द्रशासित प्रदेश पुडुचेरी सहित में मतदान हुआ। मतदान के पात्र कुल 4796 मतदाताओं (771 सांसद और 4025 विधायक) में से 4754 मतदाताओं (763 सांसद और 3991 विधायक) ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

मतगणना 21 जुलाई को हुई। भाजपानीत राजग की उम्मीदवार श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को 2,824 मतदाताओं के वोट प्राप्त हुए, जिनमें 540 सांसदों के वोट भी

शामिल हैं। वहीं, विपक्ष के उम्मीदवार श्री यशवंत सिन्हा को 1,187 मतदाताओं के मत मिले, जिनमें 208 सांसदों के वोट भी शामिल हैं।

राष्ट्रपति चुनाव में श्रीमती मुर्मू को कुल 6,76,803 वोट मिले, जबकि श्री सिन्हा को 3,80,177 वोट प्राप्त हुए। मत प्रतिशत के हिसाब से श्रीमती मुर्मू को 64 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए, जबकि श्री यशवंत सिन्हा को 36 प्रतिशत वोट मिले।

मतगणना समाप्त होने के बाद इस चुनाव के निर्वाचन अधिकारी, राज्यसभा के महासचिव ने 21 जुलाई को श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को भारत के अगले राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित घोषित किया।

राष्ट्रपति पद के लिए राजग उम्मीदवार के रूप में श्रीमती मुर्मू के निर्वाचन ने पूरे विश्व को भारतीय लोकतंत्र के समावेशी मूल्यों का संदेश दिया। यह दिल छू लेने वाला अनुपम उदाहरण है कि कैसे जीवंत लोकतंत्र में एक व्यक्ति समाज के निम्न पायदान से व्यवस्था के शीर्ष पद पर पहुंच सकता है। विपक्ष के लिए यह राष्ट्रपति चुनाव घोर विफलता का प्रमाण है। न ही वैचारिक स्तर पर और न ही उम्मीदवार के चयन पर विपक्ष एकजुट हो सका। उल्लेखनीय है कि विपक्ष के अनेक मतदाताओं ने श्रीमती मुर्मू के पक्ष में अपना मत दिया। ■

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की पहली आदिवासी राष्ट्रपति

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की पहली आदिवासी राष्ट्रपति हैं। वह संथाल जनजाति से आती हैं।

श्रीमती मुर्मू का जन्म 20 जून, 1958 को ओडिशा के मयूरभंज जिले के बैदापोसी गांव में एक संथाल परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम श्री बिरंची नारायण टुडु है। उनके दादा और उनके पिता दोनों ही उनके गाँव के प्रधान रहे।

वह मयूरभंज जिले की कुसुमी तहसील के गांव उपरबेड़ा में स्थित एक स्कूल से पढ़ी हैं। यह गांव दिल्ली से लगभग 2,000 किमी और ओडिशा के भुवनेश्वर से 313 किमी दूर है। उन्होंने श्री श्याम चरण मुर्मू से विवाह किया था। अपने पति और दो बेटों के निधन के बाद श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने अपने घर में ही स्कूल खोल दिया, जहां वह बच्चों को पढ़ाती थीं। उस बोर्डिंग स्कूल में आज भी बच्चे शिक्षा ग्रहण करते हैं। उनकी एकमात्र जीवित संतान उनकी पुत्री विवाहिता हैं और भुवनेश्वर में रहती हैं।

श्रीमती मुर्मू ने एक अध्यापिका के रूप में अपना व्यावसायिक

जीवन शुरू किया और उसके बाद धीरे-धीरे सक्रिय राजनीति में कदम रखा। साल 1997 में उन्होंने रायरंगपुर नगर पंचायत के पार्षद चुनाव में जीत दर्ज कर अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की।

मेरा निर्वाचन इस बात का सबूत है कि भारत में गरीब सपने देख भी सकता है और उन्हें पूरा भी कर सकता है: द्रौपदी मुर्मू

राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने अपने संबोधन में कहा कि मैं भारत के समस्त नागरिकों की आशा-आकांक्षा और अधिकारों के प्रतीक इस पवित्र संसद भवन से सभी देशवासियों का पूरी विनम्रता से अभिनंदन करती हूं। आपकी आत्मीयता, आपका विश्वास और आपका सहयोग, मेरे लिए इस नए दायित्व को निभाने में मेरी बहुत बड़ी ताकत होंगे।

उन्होंने कहा कि भारत के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर निर्वाचित करने के लिए मैं सभी सांसदों और सभी विधानसभा सदस्यों का हार्दिक आभार व्यक्त करती हूं। आपका मत देश के करोड़ों नागरिकों के विश्वास की अभिव्यक्ति है।

श्रीमती मुर्मू ने कहा कि मुझे राष्ट्रपति के रूप में देश ने एक ऐसे महत्वपूर्ण कालखंड में चुना है, जब हम अपनी आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं और आज से कुछ दिन बाद ही देश अपनी स्वाधीनता के 75 वर्ष पूरे करेगा। उन्होंने कहा कि ये भी एक संयोग है कि जब देश अपनी आजादी के 50वें वर्ष का जश्न मना रहा था तभी उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत हुई थी और आज आजादी के 75वें वर्ष में उन्हें यह नया दायित्व मिला है।

राष्ट्रपति ने कहा कि मैं देश की ऐसी पहली राष्ट्रपति भी हूं जिसका जन्म आज़ाद भारत में हुआ है। हमारे स्वाधीनता सेनानियों ने आजाद हिंदुस्तान के हम नागरिकों से जो अपेक्षाएं की थीं, उनकी पूर्ति के लिए इस अमृतकाल में हमें तेज गति से काम करना है। उन्होंने कहा कि इन 25 वर्षों में अमृतकाल की सिद्धि का रास्ता दो पटरियों... 'सबका प्रयास और सबका कर्तव्य' पर आगे बढ़ेगा।

श्रीमती मुर्मू ने कहा कि राष्ट्रपति के पद तक पहुंचना, मेरी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, ये भारत के प्रत्येक गरीब की उपलब्धि है। मेरा निर्वाचन इस बात का सबूत है कि भारत में गरीब सपने देख भी सकता है और उन्हें पूरा भी कर सकता है। ■

भारत ने इतिहास रचा है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई दी। ट्वीट्स की एक शृंखला में श्री मोदी ने कहा कि भारत ने इतिहास रचा है। ऐसे समय में जब 1.3 अरब भारतीय 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहे हैं, भारत के जनजातीय समुदाय की बेटी को हमारा राष्ट्रपति चुना गया है, जिनका जन्म पूर्वी भारत के एक सुदूर हिस्से में हुआ था। श्रीमती द्रौपदी मुर्मूजी को इस उपलब्धि पर बधाई।

उन्होंने कहा कि श्रीमती द्रौपदी मुर्मूजी का जीवन, उनके शुरुआती संघर्ष, उनकी समृद्ध सेवा और उनकी अनुकरणीय सफलता प्रत्येक भारतीय को प्रेरित करती है। वे हमारे नागरिकों, विशेष रूप से गरीबों, वंचितों और कमजोर वर्गों के लिए आशा की किरण के रूप में उभरी हैं।

श्री मोदी ने कहा कि श्रीमती द्रौपदी मुर्मूजी श्रेष्ठ विधायक और मंत्री रही हैं। झारखंड के राज्यपाल के रूप में उनका कार्यकाल उत्कृष्ट रहा है। मुझे यकीन है कि वे एक विशिष्ट राष्ट्रपति होंगी, जो सामने से नेतृत्व करेंगी और भारत की विकास यात्रा को मजबूत करेंगी।

उन्होंने कहा कि मैं विभिन्न दलों के उन सभी सांसदों और विधायकों को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने श्रीमती द्रौपदी मुर्मूजी की उम्मीदवारी का समर्थन किया है। उनकी रिकॉर्ड जीत हमारे लोकतंत्र के लिए अच्छी बात है।

यही नहीं, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें भारत के राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित होने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया— "श्रीमती द्रौपदी मुर्मूजी से मुलाकात की और उन्हें बधाई दी।" ■

जनजातीय समाज की महिला का राष्ट्रपति पद तक पहुंचना देश के लिए स्वर्णिम क्षणः जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से मिलकर उन्हें बधाई दी। सिलसिलेवार ट्वीट में श्री नड्डा ने कहा कि आदरणीया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी को देश के 15वें राष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचित होने पर उन्हें बधाई दी।

उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की महिला का राष्ट्रपति पद तक पहुंचना, देश के लिए स्वर्णिम क्षण हैं, मुझे विश्वास है कि आपके प्रशासनिक व सामाजिक कार्यों की दक्षता व अनुभव से राष्ट्र को अप्रतिम लाभ मिलेगा।

श्री नड्डा ने कहा कि अंत्योदय का लक्ष्य लेकर सामाजिक परिवर्तन से राष्ट्र निर्माण में रत आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज श्रीमती द्रौपदी मुर्मूजी का देश के सर्वोच्च पद पर आसीन होना दर्शाता है कि भाजपा सरकार हर वर्ग के कल्याण हेतु संकल्पबद्ध है। ■

भाजपा ने 'अभिनंदन यात्रा' के साथ पूरे देश में मनाया जश्न

जैसे ही आधिकारिक रूप से यह घोषणा की गई कि श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने कुल वोटों का 50 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल किया, भाजपा ने 'अभिनंदन यात्रा' के साथ पूरे देश में जश्न मनाना शुरू कर दिया। श्रीमती मुर्मू की अजेय बढ़त को देखते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, राष्ट्रपति चुनाव संयोजक एवं केन्द्रीय मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, सह संयोजक एवं भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री सर्वश्री विनोद तावड़े एवं सी.टी. रवि एवं केन्द्रीय मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान के साथ पार्टी कार्यालय पहुंचे। दिल्ली भाजपा के सभी सात सांसद भी कार्यालय में उपस्थित थे।

श्री जगत प्रकाश नड्डा ने दिल्ली भाजपा कार्यालय से नवनिर्वाचित राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के निवास तक 'अभिनंदन यात्रा' का नेतृत्व किया।

बाद में, श्री जगत प्रकाश नड्डा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ श्रीमती मुर्मू के आवास गए, जहां उन्होंने उन्हें राष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई दी। प्रदेश भाजपा कार्यालयों में भी जश्न मनाया गया। लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री सर्वश्री केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक ने श्रीमती मुर्मू को देश की 15वीं राष्ट्रपति बनने पर बधाई दी।

मध्यप्रदेश में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा सहित अनेक पार्टी नेताओं ने भोपाल और आदिवासी क्षेत्रों में आयोजित समारोहों में भाग लिया। कर्नाटक में, भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता श्रीमती मुर्मू की जीत का जश्न मनाने के लिए बेंगलुरु स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में एकत्र हुए।

राजग शासित बिहार में उपमुख्यमंत्री श्री तारकिशोर प्रसाद एवं पार्टी के अन्य नेताओं ने समारोह में भाग लिया। उपमुख्यमंत्री श्रीमती रेणु देवी ने अपने गृह जिले में जश्न मनाया।

देश भर में, विशेष रूप से राज्यों के आदिवासी क्षेत्रों में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और स्थानीय भाजपा विधायकों के नेतृत्व में समारोह आयोजित किए गए। ■

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का राष्ट्र के नाम आखिरी संबोधन

देश 21वीं सदी को 'भारत की सदी' बनाने के लिए तैयार हो रहा है

निवर्तमान राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने 24 जुलाई को राष्ट्र के नाम अपने आखिरी संबोधन में कहा कि देश 21वीं सदी को 'भारत की सदी' बनाने के लिए तैयार हो रहा है। उन्होंने स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये आर्थिक सुधारों के साथ, नागरिकों को उनकी क्षमता का एहसास कराकर उन्हें समृद्ध बनायेंगे।

श्री कोविंद ने कहा कि मेरा मानना है कि 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' युवा भारतीयों के लिए अपनी विरासत से जुड़ने और इक्कीसवीं सदी में अपने पैर जमाने में बहुत सहायक सिद्ध होगी।

> महामारी ने सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे में और सुधार की आवश्यकता को रेखांकित किया है। मुझे खुशी है कि सरकार ने इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है

राष्ट्र के नाम राष्ट्रपति के रूप में अपने अंतिम टेलीविजन संबोधन में श्री कोविंद ने कहा कि महामारी ने सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे में और सुधार की आवश्यकता को रेखांकित किया है। मुझे खुशी है कि सरकार ने इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

उन्होंने कहा कि आजकल सभी देशवासी 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहे हैं। अगले महीने हम सब भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ मनाएंगे। हम 25 वर्ष की अवधि के उस 'अमृत काल' में प्रवेश करेंगे, जो स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष अर्थात 2047 में पूरा होगा। ये विशेष ऐतिहासिक वर्ष हमारे गणतंत्र के प्रगति पथ पर मील के पत्थर की तरह हैं।

श्री कोविंद ने कहा कि हमारे लोकतन्त्र की यह विकास यात्रा देश की स्वर्णिम संभावनाओं को कार्यरूप देकर विश्व समुदाय के समक्ष एक श्रेष्ठ भारत को प्रस्तुत करने की यात्रा है।

उन्होंने कहा कि हम सबके लिए माता की तरह पूज्य प्रकृति गहरी पीड़ा से गुजर रही है। जलवायु परिवर्तन का संकट हमारी धरती के भविष्य के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। हमें अपने बच्चों की खातिर अपने पर्यावरण, अपनी जमीन, हवा और पानी का संरक्षण करना है।

श्री कोविंद ने कहा कि अपनी दिनचर्या में तथा रोज़मर्रा की चीजों का इस्तेमाल करते समय हमें अपने पेड़ों, नदियों, समुद्रों और पहाड़ों के साथ-साथ अन्य सभी जीव-जंतुओं की रक्षा के लिए बहुत सावधान रहने की जरूरत है। प्रथम नागरिक के रूप में यदि अपने देशवासियों को मुझे कोई एक सलाह देनी हो तो मैं यही सलाह दूंगा। ■

वैश्विक नेताओं ने दी बधाई

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनने पर दुनियाभर के नेताओं ने इसे भारतीय लोकतंत्र की जीत करार दिया। अमेरिका के राष्ट्रपति श्री जो बाइडन ने अपने संदेश में कहा कि एक आदिवासी महिला का राष्ट्रपति जैसे पद पर पहुंचना भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि मुर्मू का निर्वाचन इस बात का प्रमाण है कि जन्म नहीं, व्यक्ति के प्रयास उसकी नियति तय करते हैं। वहीं, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री श्री बोरिस जॉनसन ने कहा कि द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्र प्रमुख पद पर पहुंचना उनकी ऊंची शख्सियत का ही परिणाम है।

फ्रांस के राष्ट्रपति श्री एमैनुएल मैक्रों ने श्रीमती मुर्मू को राष्ट्रपति बनने पर बधाई दी। नेपाल के प्रधानमंत्री श्री शेर बहादुर देउबा ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर वह द्रौपदी मुर्मू को बधाई देते हैं।

चीन के राष्ट्रपति श्री शी चिनफिंग ने श्रीमती मुर्मू को बधाई देते हुए कहा कि वह दोनों देशों के बीच आपसी राजनीतिक विश्वास बढ़ाने और मतभेदों को दूर करने की दिशा में उनके साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं। ■

जीवन परिचय

1958: महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का जन्म 20 जून, 1958 को ओडिशा के मयूरभंज जिले के रायरंगपुर के पास बैदापोसी गांव में एक संताली परिवार में हुआ था। उनके परिवार ने उनका नाम पुति टुडू रखा। इसके बाद स्कूल की एक शिक्षिका ने उसका नाम बदलकर द्रौपदी कर दिया।

1979: रमा देवी महिला विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर से बीए की डिग्री के साथ स्नातक किया।

1979: ओडिशा सरकार के सिंचाई विभाग में कनिष्ठ सहायक के रूप में काम करना शुरू किया।

1994: अरबिंदो इंटीग्रल एजुकेशन सेंटर, रायरंगपुर, ओडिशा में अध्यापन आरंभ किया

1997: उन्होंने 1997 में ओडिशा प्रदेश की रायरंगपुर नगर निकाय के पार्षद और उपाध्यक्ष के रूप में अपने राजनीतिक

जीवन शुरुआत की।

1997: उन्हें ओडिशा भाजपा एसटी मोर्चा का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

2000: जब भाजपा और बीजू जनता दल ने गठबंधन सरकार बनाई, तो वह रायरंगपुर से विधायक चुनी गयीं।

2000: इस साल उन्हें ओडिशा सरकार में परिवहन और वाणिज्य विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में नियुक्त किया गया।

2002: उन्हें ओडिशा सरकार में मत्स्य पालन और पशुपालन राज्य मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया और साल 2004 तक वह इस पद पर रहीं।

2004: रायरंगपुर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर पुनः विधायक चुनी गयीं।

2006: ओडिशा भाजपा आदिवासी मोर्चा की अध्यक्ष नियुक्त की गयीं।

2007: उन्हें ओडिशा विधान सभा द्वारा वर्ष 2007 में सर्वश्रेष्ठ विधायक के लिए 'नीलकंठ पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

2015: श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को झारखंड की राज्यपाल नियुक्त किया गया। वह झारखंड के राज्यपाल का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा करने वाली पहली महिला थीं।

2022: 21 जुलाई, 2022 को भारत की 15वीं राष्ट्रपति के रूप में चुनी गयीं। उन्होंने 18 जुलाई, 2022 को हुए राष्ट्रपति चुनाव में 64 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल किए।

राष्ट्रपति चुनाव में प्रभावी जीत दर्ज करने के लिए श्रीमती द्रौपदी मुर्मूजी को बधाई। वे गांव, गरीब, वंचितों के साथ-साथ झुग्गी-झोपड़ियों में भी लोक कल्याण के लिए सक्रिय रहीं हैं। आज वे उनके बीच से निकलकर सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंची हैं। यह भारतीय लोकतंत्र की ताक़त का प्रमाण है।

- राजनाथ सिंह
रक्षा मंत्री

एक अति सामान्य जनजातीय परिवार से आनेवाली राजग प्रत्याशी श्रीमती द्रौपदी मुर्मूजी का भारत का राष्ट्रपति चुना जाना पूरे देश के लिए अत्यंत गौरव का पल है, उन्हें बधाई देता हूं। यह विजय अन्त्योदय के संकल्प को चरितार्थ करने व जनजातीय समाज के सशक्तीकरण की दिशा में एक मील का पत्थर है।

- अमित शाह
केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

श्रीमती द्रौपदी मुर्मूजी को राष्ट्रपति चुनाव में मिली ऐतिहासिक विजय और भारत के 15वें राष्ट्रपति पद पर निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई। श्रीमती मुर्मूजी देश की राष्ट्रपति बनी हैं, यह संपूर्ण देश के लिए गौरव की बात है। राष्ट्रपति पद पर उनका कार्यकाल पूर्णतः सफल रहेगा, यह मुझे विश्वास है।

- नितिन गडकरी
केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री

आज का दिन भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक व हर प्रकार से यह देश को प्रगति देगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी ने एक समाज को उच्च स्थान देकर संदेश दिया कि इस देश में सबके लिए स्थान है। श्रीमती द्रौपदी मुर्मूजी को मैं हृदय से बधाई देता हूं।

- पीयूष गोयल
केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले और खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री

रामनाथ कोविंद को प्रधानमंत्री मोदी का पत्र

'आपने सिद्धांतों, ईमानदारी, कार्य, संवेदनशीलता और सेवा के उच्चतम मानक निर्धारित किए'

राष्ट्रपति के तौर पर श्री रामनाथ कोविंद के कार्यकाल पूर्ण होने से एक दिन पहले उन्हें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का एक पत्र मिला, जिसमें प्रधानमंत्री ने उनके कार्यकाल के दौरान सिद्धांतों, ईमानदारी, कार्य, संवेदनशीलता और सेवा के उच्चतम मानकों को स्थापित करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति की सराहना की।

पूर्व राष्ट्रपति ने अपने संदेश में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को उनके संवेदनशील शब्दों के लिए धन्यवाद दिया। श्री कोविंद ने ट्वीट किया, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस पत्र ने मुझे गहराई से छुआ है। मैं उनके संवेदनाशील और हृदय को छूने वाले शब्दों को देशवासियों द्वारा मुझ पर बरसाए गए प्यार और सम्मान के प्रतिबिंब के रूप में ग्रहण करता हूं। मैं आप सभी का तहे दिल से आभारी हूं।"

श्री रामनाथ कोविंद को लिखे अपने पत्र में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, "जैसा कि आपका कार्यकाल समाप्त हो रहा है, इस अवसर पर पूरे देश के साथ मैं भी आपको नमन करता हूं और हमारे गणतंत्र के राष्ट्रपति एवं सार्वजनिक जीवन में एक लंबे और प्रतिष्ठित जीवन में उत्कृष्ट सेवा के लिए अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। आपने सिद्धांतों, ईमानदारी, कार्य, संवेदनशीलता और सेवा के उच्चतम मानकों को निर्धारित किया है।"

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने उत्तर प्रदेश के एक छोटे से गांव से राष्ट्रपति भवन तक श्री कोविंद की यात्रा की भी सराहना की। उन्होंने आगे कहा कि पूर्व राष्ट्रपति ने संविधान के आदर्शों और लोकतंत्र की जीवंतता को सुदृढ़ निर्णय, गरिमापूर्ण आचरण और असाधारण नेतृत्व के साथ बनाए रखा और उन्हें मजबूत किया।

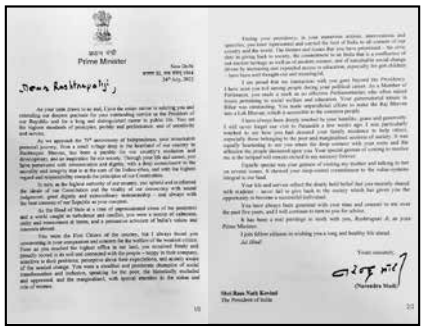

उन्होंने कहा कि जब दुनिया महामारी के अभूतपूर्व तनाव और अशांति एवं संघर्ष में फंसी थी, तब आप राष्ट्र प्रमुख के रूप में शांति, एकता और आश्वासन के स्रोत थे और विदेशों में भारत के मूल्यों और हितों को मजबूती के साथ रख रहे थे।

उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति महिलाओं की स्थिति और भूमिका पर विशेष ध्यान देने के साथ ही गरीबों, ऐतिहासिक रूप से बहिष्कृत और उत्पीड़ित एवं हाशिए पर रहनेवाले लोगों के लिए मुखर होकर बात करते थे। श्री कोविंद सामाजिक परिवर्तन और समावेशन के एक दृढ़ और भावुक चैंपियन थे। आपने एक प्रभावी सांसद के रूप में अपनी पहचान बनाई, जिन्होंने अक्सर सामाजिक कल्याण और शिक्षा से संबंधित मुद्दों को उठाया। बिहार में राज्यपाल के रूप में आपका कार्यकाल उत्कृष्ट रहा। आपने राजभवन को एक ऐसा लोकभवन बनाने का अतुलनीय प्रयास किया, जो आम लोगों की पहुंच में हो।

प्रधानमंत्री ने उनके साथ परौंख के दौरे को भी याद किया और कहा, "मैं हमेशा आपकी विनम्रता, अनुग्रह और उदारता से प्रभावित हुआ हूं। मैं कुछ सप्ताह पहले परौंख की अपनी यात्रा को कभी नहीं भूलूंगा। मैं यह देखकर विशेष रूप से प्रभावित हुआ था कि आपने कैसे दूसरों की मदद करने के लिए अपना पारिवारिक आवास को दान दिया, विशेष रूप से समाज के गरीब और हाशिए के वर्गों के लोगों की मदद के लिए। यह देखकर भी उतना ही खुशी हुई कि आपने अपनी जड़ों से गहरा संबंध बनाए रखा और लोगों ने आप पर जो स्नेह बरसाया, वह उतनी ही खुशी की बात है।

पत्र को समाप्त करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, "पिछले पांच वर्षों में आपने हमें हमेशा अपना समय और सलाह दी और मैं सलाह लेने के लिए हमेशा आपकी ओर देखता रहा। राष्ट्रपति जी, आपके प्रधानमंत्री के रूप में काम करना वास्तव में एक सुःखद अनुभव रहा। मैं देशवासियों के साथ आपके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। जय हिंद! ■

प्रधान मंत्री
Prime Minister

Dear Rashtrapati ji,

Shri Ram Nath Kovind
The President of India

जगदीप धनखड़ बने राजग के उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने 16 जुलाई, 2022 को उपराष्ट्रपति पद के लिए श्री जगदीप धनखड़ को अपना प्रत्याशी घोषित किया। नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में पार्टी संसदीय दल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा की अध्यक्षता में संपन्न इस बैठक में रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह, केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी, भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बी.एल. संतोष एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान शामिल हुए। ध्यातव्य है कि 71 वर्षीय श्री धनखड़ वर्तमान में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल हैं। गत 18 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद के लिए राजग उम्मीदवार श्री जगदीप धनखड़ ने अपना नामांकन दाखिल किया।

जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति पद के लिए प्रत्याशी घोषित करना 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की अवधारणा को चरितार्थ करता है : जगत प्रकाश नड्डा

दिल्ली-एनसीआर के सैकड़ों किसानों ने 20 जुलाई, 2022 को नई दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय पहुंचकर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का 'किसान पुत्र' श्री जगदीप धनखड़ को देश के उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए का प्रत्याशी बनाने हेतु जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम में श्री नड्डा के साथ दिल्ली के सांसद श्री रमेश बिधूड़ी, भारतीय किसान यूनियन के चौधरी भानुजी तथा 307 पालम प्रधान चौधरी सुरेंद्रजी सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम में कई किसान संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल थे।

कार्यक्रम में दिल्ली-एनसीआर के दूर-दराज गांवों से आए हुए किसानों को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि अपने जिस हर्षोल्लास के साथ 'किसान पुत्र' श्री जगदीप धनखड़ को देश के उपराष्ट्रपति पद के लिए प्रत्याशी बनाने तथा कृषि हितैषी निर्णयों के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया है। इसके लिए मैं भारतीय जनता पार्टी की ओर से आप सभी किसान बंधुओं को साधुवाद देता हूं।

उन्होंने कहा कि 'किसान पुत्र' श्री जगदीप धनखड़ को देश के उपराष्ट्रपति पद के लिए भारतीय जनता पार्टी एवं एनडीए की ओर से प्रत्याशी घोषित किया गया। हमारा यह निर्णय 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की अवधारणा को चरितार्थ करता है।

उन्होंने कहा कि कहने को तो देश में बहुत सारे किसान नेता हुए, लेकिन सही मायनों में किसानों की भलाई के लिए कार्य केवल और केवल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया। किसान खुशहाल हों, उनका जीवन अच्छा बने एवं उनकी आय बढ़े, इसके लिए हमारी सरकार ने कई कार्य किये हैं।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, किसान मानधन योजना, फसल बीमा योजना, नीम कोटेड यूरिया, ई-नाम जैसी कई योजनाओं को श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने क्रियान्वित किया है। किसान सम्मान निधि के तहत देश के लगभग 11 करोड़ किसानों के खाते में 11 किस्तों में अब तक दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि पहुंचाई जा चुकी है। यह राशि बिना किसी बिचौलिए के किसानों के खाते में पहुंचाई गई है।

उन्होंने कहा कि कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 'आत्मनिर्भर भारत' योजना के तहत एक लाख करोड़ रुपये हमारी सरकार ने आवंटित किया है। ये हमारी सरकार है जिसने 'पीएम फसल बीमा योजना' की रुकावटों को दूर किया और इससे किसानों को जोड़ने का प्रयास किया। क्या हमने इससे पहले सोचा था कि किसानों को पेंशन भी मिलेगी? डीएपी पर प्रति बोरी 1,200 रुपये की सब्सिडी भी दी जा रही है। ■

सामाजिक परिवर्तन की पर्याय द्रौपदी मुर्मू

जगत प्रकाश नड्डा

आगामी कुछ दिनों में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान होना है। इससे पहले चुनाव अभियान के दौरान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मूजी को मिली प्रतिक्रिया अभिभूत करनेवाली है। इस वर्ष जब भारत 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहा है तब उनकी उम्मीदवारी ने प्रत्येक भारतीय को गौरवान्वित किया है। विपरीत परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए इस मुकाम तक पहुंचने का उनका सफर प्रेरणा का असीम स्रोत है। उनका चुनाव महिला सशक्तीकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। मातृशक्ति उनसे अनन्य जुड़ाव महसूस करेगी। आजादी के बाद जन्म लेने वालीं वह पहली राष्ट्रपति होंगी। उनकी उम्मीदवारी कई अन्य कारणों से भी खास है। दशकों से वंशवाद के वशीभूत रही व्यवस्था में उनका अभ्युदय सार्वजनिक जीवन में एक ताजा हवा के झोंके जैसा है। यह जनतांत्रिक व्यवस्था में जन की आस्था को और प्रगाढ़ करनेवाला है। ओडिशा के सुदूरवर्ती आदिवासी क्षेत्र रायरंगपुर में उन्होंने शिक्षक के रूप में अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की। फिर सिंचाई विभाग से जुड़ीं। उनका राजनीतिक सफर भी जमीनी स्तर से आरंभ हुआ। उन्होंने 1997 में निकाय चुनाव लड़ा और रायरंगपुर नगर पंचायत में पार्षद बनीं। तीन साल बाद वह रायरंगपुर से विधायक बनीं। उन्हें 2007 में ओडिशा विधानसभा द्वारा 147 विधायकों में से सर्वश्रेष्ठ विधायक के लिए नीलकंठ पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। यह विधायक के रूप में उनकी भूमिका और योगदान को दर्शाता है। मंत्री के रूप में उन्होंने वाणिज्य, परिवहन, मत्स्य पालन और पशु संसाधन विकास जैसे महत्वपूर्ण विभागों में अपनी छाप छोड़ी। उनका कार्यकाल विकासोन्मुखी, निष्कलंक और भ्रष्टाचार मुक्त रहा। 2015 में वह झारखंड की पहली महिला राज्यपाल बनीं। उन्होंने राजभवन को जन आकांक्षाओं का जीवंत केंद्र बनाया और राज्य के विकास के लिए तत्कालीन सरकार के साथ मिलकर शानदार काम किया।

समय-समय पर अपूरणीय व्यक्तिगत त्रासदियों ने जनसेवा के उनके संकल्प को बाधित करने की चेष्टा तो की, लेकिन दुःखों के पहाड़ को झेलते हुए भी उन्होंने सार्वजनिक जीवन में आदर्श के उच्चतम मानदंडों को स्थापित किया। उन्होंने अपने पति और बच्चों को खो दिया, लेकिन दुःख के इन झंझावातों ने उन्हें और अधिक मेहनत करने और दूसरों के जीवन में दुःख को कम करने के लिए प्रेरित किया। उनके साथ काम करने वाले उन्हें विनम्रता की प्रतिमूर्ति बताते हैं। जमीन से जुड़ाव और दयालुता उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। मुर्मू जी की उम्मीदवारी 'न्यू इंडिया' की भावना को अभिव्यक्त करती है। विगत आठ वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में जमीनी स्तर पर लोगों को सशक्त बनाने और दशकों से सत्ता पर काबिज कुछ लोगों के एकाधिकार को तोड़ने का हरसंभव प्रयास किया गया है। हमारी सरकार की प्रत्येक योजना में इसी भाव के दर्शन होते हैं, जिसे हमारे प्रधानमंत्री 'संतृप्ति दृष्टिकोण' की संज्ञा देते हैं। हमारी सरकार का स्पष्ट सिद्धांत है कि कल्याणकारी योजनाएं शत-प्रतिशत लाभार्थियों तक पहुंचे। उसमें पक्षपात या वोटबैंक की कोई राजनीति न हो। कोरोना काल में करोड़ों लोगों को मुफ्त अनाज

उपलब्ध कराने से लेकर कोविड रोधी वैक्सीन की रिकार्ड खुराक लगवाने के अभियान में यह प्रत्यक्ष दिखा है। पद्म पुरुस्कारों के मामले में भी तुष्टीकरण के बजाय अब वास्तविक परिवर्तन के सूत्रधारों को प्राथमिकता दी जा रही है।

हमें यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि प्रधानमंत्री से लेकर हमारा अधिकांश शीर्ष नेतृत्व विनम्र एवं सामान्य पृष्ठभूमि से हैं। वे केवल और केवल परिश्रम, पुरुषार्थ, मेधा और ईमानदारी के दम पर ही यहां तक पहुंचे हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल में 27 ओबीसी, 12 एससी और आठ एसटी समुदाय से हैं। यह समग्र कैबिनेट का 60 प्रतिशत से अधिक है। इन वर्गों के प्रतिनिधित्व का यह ऐतिहासिक स्तर है। 2019 में भाजपा की विराट सफलता लोकसभा में सबसे अधिक महिला प्रतिनिधित्व के साथ आई। भाजपा ने एससी/एसटी एक्ट को मजबूत बनाया तो ओबीसी आयोग का सपना भी मोदी सरकार ने ही पूरा किया। मोदी सरकार ने आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों के लिए भी आरक्षण को सुनिश्चित किया। इसका ही परिणाम है कि समाज में यह भाव जागृत हुआ है कि अत्यंत गरीब पृष्ठभूमि से आने वाला व्यक्ति भी सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों से उत्पन्न चुनौतियों से पार पाकर भारत का प्रधानमंत्री बन सकता है और देश को एक नई ऊंचाई तक ले जा सकता है। प्रधानमंत्री मोदीजी के सार्वजनिक जीवन ने यह चरितार्थ कर दिखाया है।

मोदी सरकार भारत रत्न बाबा साहब आंबेडकरजी, पूज्य बापू महात्मा गांधीजी और पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी के बताए रास्ते पर ही आगे बढ़ रही है और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के सिद्धांत के साथ समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए काम कर रही है। इस उद्देश्य से जुड़ी तमाम योजनाएं और पहल गिनाई जा सकती हैं। भाजपा राजनीतिक सत्ता को व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और विकास की दौड़ में पिछड़ गए लोगों के उत्थान और उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने हेतु साधन के रूप में देखती है। जनजातीय गौरव दिवस, आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय, खानाबदोश और अर्ध-घुमंतू जनजातियों का सशक्तीकरण, एमएसपी के तहत आने वाले वन उत्पादों की संख्या में वृद्धि और गरीबों में आत्मविश्वास की भावना पैदा करने जैसे निर्णयों ने आदिवासी समुदाय के विकास को एक नया आयाम दिया है।

राजग सरकारों द्वारा अभी तक बनाए गए दो राष्ट्रपतियों डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम और श्री रामनाथ कोविंद ने देश को प्रेरणादायक और परिपक्व नेतृत्व प्रदान किया। उनके नेतृत्व ने विश्वपटल पर भारत को एक नए रूप में स्थापित किया। इसी परंपरा में मुर्मूजी की उम्मीदवारी 'वंचितों को आवाज देने और इतिहास को फिर से लिखने' की तैयारी है

राजग सरकारों द्वारा अभी तक बनाए गए दो राष्ट्रपतियों डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम और श्री रामनाथ कोविंद ने देश को प्रेरणादायक और परिपक्व नेतृत्व प्रदान किया। उनके नेतृत्व ने विश्वपटल पर भारत को एक नए रूप में स्थापित किया। इसी परंपरा में मुर्मूजी की उम्मीदवारी 'वंचितों को आवाज देने और इतिहास को फिर से लिखने' की तैयारी है। भाजपा अध्यक्ष के रूप में मेरी सभी राजनीतिक दलों, नेताओं, निर्वाचक मंडल के सभी सदस्यों और प्रत्येक भारतीय से अपील है कि वे समस्त राजनीतिक मतभेद भुलाकर उनसे ऊपर उठें। अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनें और मुर्मू जी की उम्मीदवारी का समर्थन करें।

सामाजिक न्याय और सामाजिक परिवर्तन की हमारी अवधारणा को सदा-सदा के लिए प्रतिष्ठित करने हेतु यह हमारे इतिहास का सबसे गौरवशाली क्षण है और हमें इसे गंवाना नहीं चाहिए, क्योंकि यह 'जनता के राष्ट्रपति' का चुनाव है। ■

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं)
18 जुलाई, 2022 को प्रकाशित

गुरु पूर्णिमा पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने वाल्मीकि मंदिर में की पूजा-अर्चना

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर 13 जुलाई, 2022 को नई दिल्ली के मंदिर मार्ग स्थित वाल्मीकि मंदिर में पूजा-अर्चना की। यह वही मंदिर है जहां महात्मा गांधी ने आजादी के समय 214 दिन बिताए थे।

जनजाति सशक्तीकरण के संकल्प की मिसाल

अमित शाह

द्रौपदी मुर्मूजी का राष्ट्रपति निर्वाचित होना भारतीय लोकतंत्र के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। अत्यंत गरीब पृष्ठभूमि की जनजातियों में भी सबसे पिछड़े संथाली परिवार से निकलकर संघर्षों एवं कर्मठता के बलबूते उनका सर्वोच्च पद तक पहुंचना देशवासियों के साथ-साथ जनजातीय समाज के लिए भी गौरव का क्षण है। ऐसे समाज को शीर्ष पर प्रतिनिधित्व देने में देश को सात दशकों की लंबी प्रतीक्षा करनी पड़ी। आज हमारा लोकतंत्र इस प्रश्नचिह्न से मुक्त हो गया है। देश की कुल जनसंख्या में आदिवासी समाज की संख्या नौ प्रतिशत है। स्वतंत्रता आंदोलन में भी आदिवासी समाज का योगदान-बलिदान अविस्मरणीय है, किंतु स्वतंत्र भारत में सरकारों ने लंबे समय तक उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने एवं उनके सामाजिक-आर्थिक उत्थान और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं किए।

अटलजी के नेतृत्व में जब पहली बार भाजपानीत राजग की सरकार बनी तो इस समाज की आशाओं-आकांक्षाओं को समझने का गंभीर प्रयास हुआ। अटलजी द्वारा जनजातीय समाज के उत्थान एवं समृद्धि के लिए 1999 में एक अलग मंत्रालय बनाने के साथ ही 89वें संविधान संशोधन के जरिये राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की स्थापना कर इनके हितों को सुनिश्चित करने की पहल की। अटलजी ने जनजातीय समाज के उत्थान एवं सम्मान की जो शुरुआत की, पिछले आठ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी ने उसे और सशक्त ढंग से आगे बढ़ाया है।

'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रही मोदी सरकार ने अपने निर्णयों एवं नीतियों में जनजातीय समुदाय के सभी वर्गों की आशाओं एवं आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए तमाम दूरदर्शी कदम उठाए हैं। मोदीजी के आठ वर्ष के कार्यकाल में जनजाति विकास की लगभग सभी योजनाओं में पहले की तुलना में भारी वृद्धि हुई है। केंद्र सरकार द्वारा संचालित जनजातीय उप-योजना बजट को वित्त वर्ष 2021-22 में 21 हजार करोड़ रुपये से चार गुना बढ़ाकर 86 हजार करोड़ रुपये किया गया है। इसके अंतर्गत जनजातीय वर्गों के लिए जल जीवन मिशन के जरिये 1.28 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचाने, 1.45 करोड़ शौचालय बनवाने, 82 लाख आयुष्मान कार्ड बनवाने एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 38 लाख घर बनवाने जैसे अनेक कार्य किए गए हैं।

एकलव्य मॉडल विद्यालयों का बजट 278 करोड़ से बढ़ाकर 1,418 करोड़ और जनजातीय छात्रों के लिए निर्धारित छात्रवृत्तियों का बजट 978 करोड़ से बढ़ाकर 2,546 करोड़ रुपये किया गया है। इसके अतिरिक्त उद्यमिता विकास के उद्देश्य से नई योजना में 327 करोड़ रुपये के बजट से 3,110 वन-धन विकास केंद्रों एवं 53 हजार वन-धन स्वयं सहायता समूहों की स्थापना की गई है।

जनजातियों का वास मुख्य रूप से खनन प्रभावित क्षेत्रों में है, किंतु उन्हें कभी खनन से होनेवाली आय में हिस्सेदारी नहीं मिलती थी। मोदीजी ने डिस्ट्रिक्ट मिनरल फंड की स्थापना से इस विसंगति को दूर करते हुए सुनिश्चित किया कि खनन से हुई आय का 30 प्रतिशत स्थानीय विकास में खर्च हो। इसके जरिये अभी तक 57 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि एकत्रित हुई है, जिसका उपयोग जनजातीय क्षेत्रों के विकास में हो रहा है। इसके अतिरिक्त जनजातीय उत्पादों के विपणन के लिए बने ट्राईफेड संचालित ट्राइब्स इंडिया आउटलेट्स की संख्या 29 से बढ़कर 116 की गई है।

जनजातीय समाज के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के साथ उनकी सांस्कृतिक विरासत को सम्मानपूर्वक देश के समक्ष लाने का कार्य भी मोदी सरकार कर रही है। जनजातीय कला, साहित्य, परंपरागत ज्ञान एवं कौशल जैसे जनजातीय विषयों को अध्ययन-अध्यापन में सम्मिलित किया गया है। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में जनजातीय नायकों-नायिकाओं की वीरगाथाओं को सामने लाने के उद्देश्य से देश भर में कई कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है।

भगवान बिरसा मुंडा की जन्मतिथि 15 नवंबर को अब जनजाति गौरव दिवस के

जनजातीय समाज के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के साथ उनकी सांस्कृतिक विरासत को सम्मानपूर्वक देश के समक्ष लाने का कार्य भी मोदी सरकार कर रही है। जनजातीय कला, साहित्य, परंपरागत ज्ञान एवं कौशल जैसे जनजातीय विषयों को अध्ययन-अध्यापन में सम्मिलित किया गया है। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में जनजातीय नायकों-नायिकाओं की वीरगाथाओं को सामने लाने के उद्देश्य से देश भर में कई कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है

रूप में मनाया जाता है। देश भर में 200 करोड़ रुपए के बजट से जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालयों की स्थापना की जा रही है। मोदीजी अक्सर अपने भाषणों में भी जनजातीय नायकों-नायिकाओं के योगदान की चर्चा करते हुए उनके प्रति आदर व्यक्त करते रहते हैं। यह सब बातें दर्शाती हैं कि मोदी सरकार जनजातीय समाज के विकास और सम्मान के लिए मन, वचन और कर्म के साथ हर प्रकार से जुटी हुई है।

भाजपा हमेशा जनजातीय समाज की प्रगति के लिए कृतसंकल्पित रही है और आज मोदी जी के नेतृत्व में जब राष्ट्रपति चुनने का अवसर आया, तो देश को द्रौपदी मुर्मूजी के रूप में पहला जनजातीय राष्ट्रपति भी मिला है। सबसे निचले पायदान पर मौजूद समाज से आने वाली द्रौपदी मुर्मूजी आज जब देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंची हैं तो यह पूरे देश के लिए अत्यंत गौरव की बात है। यह निश्चित रूप से प्रधानमंत्री मोदीजी के जनजाति सशक्तीकरण के संकल्प की एक नायाब मिसाल है

भारत में कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर तक विशेषकर झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, राजस्थान और गुजरात में जनजाति वर्ग की बड़ी आबादी वास करती है। आजादी के बाद लंबे समय तक कांग्रेस ने उन्हें सिर्फ वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया। बड़ी जनजातीय आबादी वाले पूर्वोत्तर क्षेत्र की भी कांग्रेस ने निरंतर उपेक्षा की, लेकिन मोदी जी ने शासन में आते ही एक्ट ईस्ट नीति के तहत पूर्वोत्तर के विकास पर बल दिया। पिछले आठ वर्षों में पूर्वोत्तर राज्यों को मुख्यधारा से जोड़ते हुए उन्हें राष्ट्रीय प्रगति का साझेदार बनाया गया है। इस विकास से शांति भी स्थापित हुई है।

गरीबी के साथ-साथ असुरक्षा जनजातीय समाज के लिए सबसे बड़ी चुनौती रही है, जिसका लाभ वामपंथी उग्रवादी तत्वों ने अपनी जड़ें जमाने में किया। इन तत्वों ने न सिर्फ हमारे आदिवासी युवाओं को पथभ्रष्ट किया, बल्कि इन क्षेत्रों के विकास की राह में बाधा भी डाली। मोदी सरकार में यह स्थिति बदली है। उग्रवाद और नक्सलवाद पर जीरो टालरेंस की नीति से इनके दायरे सीमित हुए हैं। नक्सलवाद का प्रभाव अब न के बराबर ही रह गया है। इससे प्रभावित रहे क्षेत्रों में सुरक्षा की भावना बढ़ी है। इससे स्थानीय लोग विकास की मुख्यधारा में सहजता से शामिल हो रहे हैं।

जनजातीय समाज का उत्थान, गरिमापूर्ण जीवन, सामाजिक एवं आर्थिक विकास और उनकी राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करना भाजपा की विचारधारा का अभिन्न अंग रहा है। भाजपा हमेशा जनजातीय समाज की प्रगति के लिए कृतसंकल्पित रही है और आज मोदी जी के नेतृत्व में जब राष्ट्रपति चुनने का अवसर आया, तो देश को द्रौपदी मुर्मूजी के रूप में पहला जनजातीय राष्ट्रपति भी मिला है। सबसे निचले पायदान पर मौजूद समाज से आने वाली द्रौपदी मुर्मूजी आज जब देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंची हैं तो यह पूरे देश के लिए अत्यंत गौरव की बात है। यह निश्चित रूप से प्रधानमंत्री मोदीजी के जनजाति सशक्तीकरण के संकल्प की एक नायाब मिसाल है। ■

(लेखक केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री हैं)

द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनने के सामाजिक मायने

सुदर्शन भगत

भाजपा एवं केंद्र सरकार द्वारा लिये गए सशक्त निर्णय के परिणामतः देश के सुदूर ग्रामीण अंचल के जनजाति समाज से आनेवाली श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का देश की पंद्रहवीं राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचन आज हम सबके लिए गौरव का विषय है। देश का जनजाति समाज आज गौरवान्वित महसूस कर रहा है। जनजाति घर में जन्मी बेटी आज देश के सर्वोच्च पद पर आसीन हैं। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जनजाति समाज से लगाव एवं उन्हें सदैव महत्व देने की नीति के परिणामस्वरूप ही हम आज यह दिन देख पा रहे हैं। चाहे गुजरात में मुख्यमंत्री रहते हुए जनजाति समाज के प्रति झुकाव हो अथवा केंद्र में आने के पश्चात् देश के समेकित विकास की परिकल्पना करते समय सदैव प्रधानमंत्री मोदीजी ने जनजाति समाज के कल्याण, उन्हें प्रोत्साहन देने, उनकी शिक्षा और जनजातीय अंचलों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के प्रति ध्यान दिया है।

आज एक आदिवासी बेटी, देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंचनेवाली पहली आदिवासी एवं भारत गणराज्य की दूसरी महिला राष्ट्रपति बन गई हैं। राष्ट्रपति के रूप में वे हर भारतवासी विशेषतः महिलाओं, आदिवासियों सहित समस्त ग्रामीण क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व भारत के सर्वोच्च पद पर करेंगी। एक वनवासी की भावना, उनकी संवेदना एवं दुःख-दर्द वनवासी ही समझ सकता है— अर्थात् भोगे हुए यथार्थ का दर्द। निजी जीवन में अथक संघर्ष, मूल्य आधारित जीवन जीनेवाली, शुचिता और प्रामाणिकता के साथ समाजिक जीवन में नए प्रतिमान गढ़नेवाली ध्येयनिष्ठ आदर्श महिला श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के रूप में राष्ट्रपति चुनने पर भाजपा नेतृत्व और प्रधानमंत्रीजी का जितना धन्यवाद किया जाय कम है। मुझे लगता है द्रौपदी मुर्मूजी दुनिया में आदिवासियों और वंचितों की आवाज बुलंद करनेवाली सबसे बड़ी महिला नायिका के रूप में उभरकर सामने आएंगी। इनके रूप में भारत की महिलाएं एवं समस्त आदिवासी जन अपने आपको शीर्ष पद पर आसीन पाएंगे।

द्रौपदी मुर्मू का जीवन अनेक संकटों एवं संघर्षों का गवाह बना, जो उनकी जीवटता को दर्शाता है। उन्होंने अपने पति और दो बेटों को खो देने का दुःख झेला। इस दौरान अपनी इकलौती बेटी इतिश्री सहित पूरे परिवार को हौसला देती रहीं। उनकी आंखें तब नम हुईं जब उन्हें झारखंड के राज्यपाल के रूप में शपथ दिलाई जा रही थी। वे धार्मिक संस्कारों से युक्त आदर्श एवं साहसी महिला हैं। उन पर भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों का विशेष प्रभाव है।

एक साधारण परिवार से संबंध रखनेवाली बहन का देश के सर्वोच्च पद पर आसीन होने से भारतीय लोकतंत्र की पहचान को और मजबूती मिलेगी। भारत के राष्ट्रपति पद पर निर्वाचित होना उनकी जैसी पृष्ठभूमि वाले करोड़ों लोगों को प्रेरणा प्रदान करनेवाला है। इससे भारतीय लोकतंत्र को न केवल और बल मिलेगा, बल्कि उसका यश भी बढ़ेगा।

आज दूरदृष्टा प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में भारत विकास के नए आयाम गढ़ रहा है। देश की युवाशक्ति द्वारा देश को एक मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित करने पर काम चल रहा है। देश विभिन्न क्षेत्रों में अपनी वैश्विक पहचान बना रहा है। ऐसे अनेक बदलाव के समय में श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की भूमिका न केवल महत्वपूर्ण होगी बल्कि निर्णायक भी बनेगी। अतः श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के ऊपर यह दायित्व देकर देश आश्वस्त होना चाहता है कि संविधान का शासन पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक निर्बाध रूप से चलेगा और देश की सीमाएं पूरी तरह सुरक्षित रहेंगी, क्योंकि राष्ट्रपति ही सेनाओं के सुप्रीम कमांडर होते हैं। भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार होगा कि किसी आदिवासी महिला को राष्ट्रपति के पद पर बैठाकर उसके पद की गरिमा को बढ़ाया जाएगा।

देश में वनवासी समाज बहुत शांत और स्वावलंबी जीवन जीता है। वन क्षेत्रों एवं ग्रामीण अंचल में रहनेवाला यह देशभक्त समाज सदैव अपने स्वाभिमान और अपनी भूमिमाता, धर्म और संस्कृति की रक्षा में समर्पित रहता है। प्रकृति-पूजक यह समाज देश की मुख्यधारा में आकर देश के विकास में सहभागी बन रहा है। इसकी सुखद अनुभूति हमें राष्ट्रपति पद पर देश की वनवासी बेटी के राष्ट्रपति बन जाने से हो रही है। मैं स्वयं एक आदिवासी परिवार में जन्मा और देश के लगभग सभी जनजाति अंचलों में निरंतर घूमना होता है। इस निर्णय के बाद देश के जनजाति समाज में एक नया उत्साह और स्वाभिमान जगा है। देश के प्रधानमंत्री एवं भाजपा नेतृत्व को देश के समस्त जनजाति बहुल ग्राम पंचायतों से धन्यवाद के पत्र भेजे गए। अपने-अपने गांव एवं बसावटों में जनजाति समाज के लोग अपनी पारंपरिक अंदाज में खुशियां मना रहे हैं। वनवासी समाज ने जंगलों में अंग्रेजी शासन से लम्बा संघर्ष किया है। स्वतंत्रता आन्दोलन में जनजाति समाज की सक्रिय सहभागिता हम सभी जानते हैं। किन्तु आजादी के पश्चात् हमारे समाज को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिला।

आज धर्मांतरण का दंश झेल रहा जनजाति समाज सजग और जागरूक हो गया है। अपनी नई पीढ़ी को उच्च और कौशल शिक्षा प्रदान करने हेतु जागरूक है। ऐसे में हमारे मध्य से वनवासी बेटी के देश के सर्वोच्च पद पर आसीन होने से आज

वनवासी समाज उत्साहित है। सभी बुजुर्ग देश के प्रधानमंत्रीजी के निर्णय की खुले मन से प्रशंसा कर रहे हैं। युवा अपने भविष्य के प्रति आश्वस्त हैं, अब भविष्य में हमारे साथ कोई भेदभाव नहीं होगा। अब हम मुख्यधारा में रहकर अपनी प्रतिभा के अनुसार कार्य कर पाएंगे। देश की महिलाओं और बालिकाओं में स्वाभिमान चरम पर है। आदिवासी बहनें देश के विकास में अपनी सहभागिता महसूस करने लगी हैं। सादगी और सहजता की प्रतिमूर्ति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के नेतृत्व में अपनी सहभागिता खोज रहे जनजाति समाज आज गौरवान्वित महसूस कर रहा है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में आदिवासी समाज को मिले इस सर्वोच्च सम्मान के प्रति पूरा समाज कृतज्ञता व्यक्त कर रहा है।

भारत के सामाजिक ताने-बाने को देखें तो, देश का वनवासी समाज आर्थिक रूप से पिछड़ा एवं अभावों में जीवन-यापन करनेवाला है। विकास की मुख्यधारा से दूर, जंगलों में, सुदूर ग्रामीण अंचल में निवास करनेवाले समाज की बेटी को राष्ट्रपति के रूप में देश के बड़े वर्ग ने उन्हें सहर्ष स्वीकार किया है। उनके उम्मीदवार घोषित होते ही देश भर में लोगों ने समर्थन व्यक्त किया एवं भाजपा नेतृत्व और प्रधानमंत्रीजी के परिपक्व निर्णय की भरपूर सराहना की। इसलिए आज देश में जनजाति समाज के प्रति लोगों का भाव एवं उनके प्रति दृष्टि भी बदली है। देश द्वारा वनवासी बेटी को राष्ट्रपति बनाने की घटना हमारी अनेक पीढ़ियों तक सदैव याद की जाती रहेगी। स्वाभिमान और गौरव के इस अनुपम क्षण को देश में आदिवासी समाज सहित समस्त जनता महसूस कर रही है। ■

(लेखक लोकसभा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री हैं)

मॉनसून सत्र में पेश होंगे 32 विधेयक

संसद का मानसून सत्र शुरू होने से एक दिन पहले केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने 17 जुलाई को बताया कि संसद का मानसून सत्र 18 जुलाई से शुरू होगा और 12 अगस्त को समाप्त हो सकता है, जो सरकारी कामकाज की अत्यावश्यकताओं के अधीन होगा। सत्र के दौरान 26 दिनों की अवधि में कुल 18 बैठकें आयोजित की जाएंगी। उन्होंने यह भी बताया कि इस सत्र के लिए 32 विधायी कार्यों की पहचान की गई है, जिनमें से 14 को पहले ही अंतिम रूप दे दिया गया है।

मानसून सत्र, 2022 के दौरान पेश किये जाने वाले संभावित विधेयक निम्न हैं:

- भारतीय अंटार्कटिक विधेयक, 2021
- वन्य जीवन (संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2021
- समुद्री डकैती रोधी विधेयक, 2019
- माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण (संशोधन) विधेयक, 2019
- राष्ट्रीय डोपिंग रोधी विधेयक, 2021
- सामूहिक विनाश के हथियार और उनकी वितरण प्रणाली (गैरकानूनी गतिविधियों का निषेध) संशोधन विधेयक, 2022, जैसा लोकसभा द्वारा पारित किया गया है
- अंतर-राज्यीय नदी जल विवाद (संशोधन) विधेयक, 2019, जैसा लोकसभा द्वारा पारित किया गया है
- संविधान (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति) आदेश (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2022, जैसा लोकसभा द्वारा पारित किया गया है
- कॉफी (संवर्धन और विकास) विधेयक, 2022
- उद्यम और सेवा हब (डीईएसएच) का विकास विधेयक, 2022
- बहु राज्य सहकारी समितियां (संशोधन) विधेयक, 2022
- वस्तु के भौगोलिक संकेत (पंजीकरण और संरक्षण) (संशोधन) विधेयक, 2022
- भंडारण (विकास और विनियमन) (संशोधन) विधेयक, 2022
- प्रतिस्पर्धा (संशोधन) विधेयक, 2022
- दिवाला और दिवालियापन संहिता (संशोधन) विधेयक, 2022
- प्राचीन स्मारक और पुरातत्व स्थल और अवशेष (संशोधन) विधेयक, 2022
- कलाक्षेत्र फाउंडेशन (संशोधन) विधेयक, 2022
- छावनी विधेयक, 2022
- पुराना अनुदान (विनियमन) विधेयक, 2022
- वन (संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2022
- राष्ट्रीय दंत आयोग विधेयक, 2022
- राष्ट्रीय नर्सिंग और प्रसूति सहायक विधेयक, 2022
- भारतीय प्रबंधन संस्थान (संशोधन) विधेयक, 2022
- केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2022
- केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2022
- प्रेस और पत्रिकाओं का पंजीकरण विधेयक, 2022
- खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2022
- ऊर्जा संरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2022
- संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश (संशोधन) विधेयक, 2022
- संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश (संशोधन) विधेयक, 2022
- मानव तस्करी (संरक्षण, देखभाल और पुनर्वास) विधेयक, 2022
- पारिवारिक न्यायालय (संशोधन) विधेयक, 2022 ■

राजस्थान में अगले साल भारी बहुमत से आएगी भाजपा : जगत प्रकाश नड्डा

माउंट आबू में 12 जुलाई को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने विश्वास जताते हुए कहा कि माउंट आबू से मिला मार्गदर्शन सकारात्मक ऊर्जा के साथ नीचे तक की इकाइयों में कार्यकर्ताओं तक लेकर जायें, जो मिशन 2023 के विजय संकल्प को भारी बहुमत के साथ हासिल करने में मील का पत्थर साबित होगा।

श्री नड्डा ने तीन दिवसीय भाजपा प्रदेश प्रशिक्षण वर्ग के समापन पर अपने संबोधन में यह विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण सत्र में विभिन्न सत्र हुए हैं, जिनमें राजनीति, संगठनात्मक, बूथ-मंडल सशक्तीकरण, मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं, विदेश नीति, राज्य की कांग्रेस सरकार की विफलता आदि विभिन्न विषयों पर चिन्तन मनन किया। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद एवं विश्वास है कि मां अर्बुदा देवी एवं ज्ञान सरोवर की पवित्र स्थली माउंट आबू से मिला ज्ञान एवं मार्गदर्शन सकारात्मक ऊर्जा के साथ नीचे तक की इकाइयों में कार्यकर्ताओं तक लेकर जायेंगे और राजस्थान में भाजपा अगले वर्ष प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगी।

> भारत में केवल भाजपा ही राष्ट्रीय पार्टी है, बाकि पार्टियां परिवारवाद, वंशवाद व व्यक्तिवाद तक ही सिमटकर रह गई हैं

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग पार्टी की सतत प्रक्रिया है, यह कार्यकर्ता निर्माण में महत्वपूर्ण कारक है। भाजपा को छोड़कर देश की कोई भी ऐसी पार्टी नहीं है जो अपने कार्यकर्ताओं के लिए ऐसा व्यवस्थित एवं अनुशासित प्रशिक्षण वर्ग आयोजित करती है। प्रशिक्षण हमारी पार्टी में कितना महत्वपूर्ण है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने सात दिवसीय प्रशिक्षण में पांच विधायकों को प्रशिक्षण दिया था, जिसमें देश के उपराष्ट्रपति रहे एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे भैरों सिंह शेखावत ने भी प्रशिक्षण लिया था। उन्होंने कहा कि हम सभी कार्यकर्ताओं को सतत सीखने की प्रक्रिया में लगे रहना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना की राष्ट्रीय कार्यसमिति में अपने उद्बोधन में सात-स का महत्व बताते हुए कहा था कि हमें सेवाभाव, संतुलन, संयम, समन्वय, सकारात्मकता, सभ्यता, संवाद आदि का पालन करना चाहिए और इन्हीं सात 'स' की पालना राजस्थान भाजपा इकाई ने दोनों कोविड काल में जरूरतमंदों को भोजन, राशन, पानी, मास्क, सेनेटाइजर, चरण पादुका, रक्तदान आदि सेवा कार्यों से सुनिश्चित करके दिखाया। हमारी पार्टी में हुक्म चलाने की संस्कृति नहीं है, हम सब कार्यकर्ता वालिन्टियर्स की तरह कार्य करते हैं। कार्यकर्ताओं के परिश्रम से हम सम्मान और ऊंचाइयां पाते हैं। इसलिए कार्यकर्ता ही हमारी ताकत व पूंजी हैं।

श्री नड्डा ने कहा कि भाजपा राष्ट्रीय पार्टी होने के कारण राष्ट्रीय हितों के साथ स्थानीय आंकाक्षाओं की आपूर्ति करते हुए कार्य करती है। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं का संवाद हो और उनकी समस्याओं को सुनकर समाधान करने के प्रयास हों। भारत में केवल भाजपा ही राष्ट्रीय पार्टी है, बाकि पार्टियां परिवारवाद, वंशवाद व व्यक्तिवाद तक ही सिमटकर रह गई हैं।

हमें पार्टी में क्या मिला, उसकी चिंता छोड़कर यह सोचना चाहिए कि हमने देश को क्या दिया, पार्टी को क्या दिया। भाजपा केवल एक ऐसी पार्टी है जो राष्ट्र प्रथम को प्राथमिकता देती है। हमारा संकल्प यह होना चाहिए कि देश और पार्टी का भला होगा तभी हमारा भला होगा। कोई भी कार्य हो वह समय पर पूरा होना चाहिए। इस अवसर पर श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की राष्ट्रपति पद उम्मीदवार बनाने पर मेवाड़ अंचल जनजाति समाज ने श्री नड्डा को आभार पत्र सौंपकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया। ■

मध्य प्रदेश नगर निकाय चुनाव में भाजपा की शानदार जीत

मध्य प्रदेश के नगर निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी कुल 255 स्थानीय निकायों में से 231 पर विजयी हुई। इन चुनावों में भाजपा ने 76 में से 65 नगरपालिकाओं में जीत हासिल की और 9 मेयर पदों पर जीत हासिल की।

6 जुलाई को हुए पहले चरण के मतदान के परिणामों के अनुसार भाजपा ने 7 मेयर पदों पर जीत हासिल की और दूसरे चरण में भाजपा ने दो सीटें जीतीं। राज्य के कुल 16 निगमों में से भाजपा ने नौ सीटों पर और कांग्रेस ने पांच सीटों पर जीती दर्ज की। एक सीट आप को और एक सीट निर्दलीय को मिली।

मध्य प्रदेश भाजपा के कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक ट्वीट में कहा, 'मध्यप्रदेश के नगर निकाय चुनावों में भाजपा में विश्वास व्यक्त करने के लिए सभी मतदाताओं को बहुत धन्यवाद। यह जीत राज्य में शिवराज चौहान सरकार में लोगों के अटूट विश्वास का प्रतीक है। पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ-साथ सभी विजयी उम्मीदवारों को बहुत-बहुत बधाई।'

जबकि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा, "श्री शिवराज सिंह चौहान, श्री वीडी शर्मा और मध्यप्रदेश भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को मध्यप्रदेश नगर निकाय चुनाव में भाजपा की शानदार जीत के लिए बधाई! यह जीत आदरणीय प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों में जनता के विश्वास का परिणाम है।''

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के प्रदर्शन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने सत्तारूढ़ दल के पक्ष में मतदान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने नगर पंचायत और नगर परिषद् चुनावों में लगभग 90 प्रतिशत सीटें जीती हैं और नगर निगमों में भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। ■

दीव नगर निकाय चुनाव में भाजपा की जीत

भारतीय जनता पार्टी ने दमन एवं दीव और दादरा एवं नगर हवेली केंद्रशासित प्रदेश में दीव नगरपालिका चुनावों में सभी 13 सीटों पर जीत हासिल की। भाजपा द्वारा जीतीं गयी 13 सीटें में से 6 सीटों पर पार्टी ने निर्विरोध जीत हासिल दर्ज की। बाकी सात सीटों पर जहां चुनाव हुए, वहां भाजपा ने सभी सीटों पर जीत हासिल की, जबकि विपक्ष को एक भी सीट पर जीत प्राप्त नहीं हुई। इन चुनावों के नतीजे 09 जुलाई को घोषित किए गए थे।

इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने दीव के नगरपालिका चुनावों में ऐतिहासिक जीत का श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण में 'जनता के अटूट विश्वास'और पार्टी के केंद्रशासित प्रदेश इकाई की कड़ी मेहनत को दिया। श्री नड्डा ने अपने ट्विटर पर लिखा, "हमारी पार्टी ने दमन-दीव-दादरा नगर हवेली नगरपालिका चुनावों में सभी 13 वार्डों पर जीत हासिल की है... यह सब माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण में लोगों के अटूट विश्वास और भाजपा दमन और दीव कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत के कारण संभव हुआ है।" ■

संगठनात्मक नियुक्तियां

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 21 जुलाई, 2022 को कुछ प्रदेश इकाइयों में प्रमुख नियुक्तियां कीं। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार श्री अजय जामवाल को मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के लिए क्षेत्रीय महामंत्री (संगठन) के रूप में नियुक्त किया गया है। उनका केंद्र रायपुर होगा।

श्री नड्डा ने श्री मन्त्री श्रीनिवासुलु को पंजाब और चंडीगढ़ के प्रदेश महामंत्री (संगठन) के रूप में नियुक्त किया। श्री राजेश जी वी को कर्नाटक में प्रदेश महामंत्री (संगठन) के रूप में नियुक्त किया गया और श्री सतीश धोंड को पश्चिम बंगाल के प्रदेश सह महामंत्री (संगठन) के रूप में नियुक्त किया गया। ■

भारत ने लगाए 200 करोड़ से अधिक कोविड-19 रोधी टीके

16 जनवरी, 2021 को टीकाकरण अभियान आरंभ होने के बाद से 100 करोड़ के अंक तक पहुंचने में लगभग 9 महीने लग गए और 200 करोड़ टीकाकरण तक पहुंचने में 9 महीने और लगे, जिसमें सबसे अधिक एक दिन का टीकाकरण रिकॉर्ड 17 सितम्बर, 2021 को हासिल किया गया, जब एक ही दिन में 2.5 करोड़ टीके लगाए गए

एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में भारत के कुल कोविड-19 टीकाकरण अभियान ने 17 जुलाई को 200 करोड़ के मील के पत्थर को पार कर लिया। 17 जुलाई की दोपहर 1 बजे तक की अनंतिम रिपोर्टों के अनुसार देश भर में टीकों की कुल 2,00,00,15,631 खुराकें दी जा चुकी थीं। यह 2,63,26,111 सत्रों के माध्यम से अर्जित किया गया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विज्ञान में उल्लेखनीय विश्वास दिखाने और कोविड-19 वैक्सीन की 200 करोड़ खुराक का विशेष आंकड़ा पार करने पर देशवासियों की सराहना की। श्री मोदी ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मनसुख मांडविया की घोषणा के जवाब में ट्वीट किया कि भारत ने फिर रचा इतिहास! वैक्सीन की 200 करोड़ खुराक का विशेष आंकड़ा पार करने पर सभी भारतीयों को बधाई। उन लोगों पर गर्व है, जिन्होंने भारत के टीकाकरण अभियान को पैमाने और गति में अद्वितीय बनाने में योगदान दिया है। इसने कोविड-19 के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत किया है।

उन्होंने कहा कि वैक्सीन की शुरुआत से ही भारत के लोगों ने विज्ञान में उल्लेखनीय विश्वास दिखाया है। हमारे डॉक्टरों, नर्सों, अग्रिम पंक्ति के कर्मियों, वैज्ञानिकों, नवोन्मेषियों और उद्यमियों ने पृथ्वी को सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मैं उनकी भावना और दृढ़ संकल्प की सराहना करता हूं।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने भी केवल 18 महीनों में यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने पर देश को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह असाधारण उपलब्धि इतिहास में दर्ज की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि भारत का राष्ट्रव्यापी कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम प्रधानमंत्री श्री

नरेन्द्र मोदी द्वारा 16 जनवरी, 2021 को आरंभ किया गया था। उनके सक्रिय और दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने 'मेक-इन-इंडिया' और 'मेक-फॉर वर्ल्ड' रणनीति के तहत कोविड-19 टीकों के अनुसंधान, विकास और निर्माण में सहायता की, भौगोलिक कवरेज का मूल्यांकन करने के लिए को-विन जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया, टीकों के लिए एईएफआई को ट्रैक किया, समावेशिता को बढ़ावा दिया और नागरिकों को उनके टीकाकरण कार्यक्रम का पालन करने के लिए एकल संदर्भ बिंदु प्रदान किया तथा वैज्ञानिक साक्ष्य और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं पर आधारित टीका लगाए जाने को प्राथमिकता दी।

इस राष्ट्रव्यापी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए क्षमता निर्माण सुनिश्चित करने में कई प्रणालीगत युक्तियों का भी उपयोग किया गया। कोविड-19 टीकों के भंडारण और परिवहन के लिए विद्यमान आपूर्ति श्रृंखला का लाभ उठाया गया, उसे सुदृढ़ किया गया तथा टीका वितरण की प्रभावी निगरानी की गई एवं हर समय टीकों और सीरिंज की उपलब्धता और कुशल उपयोग सुनिश्चित किया गया।

भारत का स्वतंत्र और स्वैच्छिक राष्ट्रव्यापी कोविड-19 टीकाकरण प्रक्रिया हर घर दस्तक, कार्यस्थल सीवीसी, स्कूल आधारित टीकाकरण, बिना पहचान दस्तावेजों वाले व्यक्तियों के टीकाकरण, घर के पास सीवीसी और मोबाइल टीकाकरण टीमों जैसी पहलों के माध्यम से नागरिक अनुकूल दृष्टिकोण के साथ संचालित की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित 71 प्रतिशत सीवीसी और महिलाओं को दी जाने वाली वैक्सीन की 51 प्रतिशत से अधिक खुराक के साथ भारत के राष्ट्रीय कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम ने भौगोलिक और जेंडर समानता भी सुनिश्चित की।

देश भर में कोविड मामलों में कमी के बावजूद सभी पात्र नागरिकों को टीका लगाए जाने के प्रयास लगातार जारी थे। इसका प्रमाण इस तथ्य से मिलता है कि 16 जनवरी, 2021 को टीकाकरण अभियान आरंभ होने के बाद से 100 करोड़ के अंक तक पहुंचने में लगभग 9 महीने लग गए और 200 करोड़ टीकाकरण तक पहुंचने में 9 महीने और लगे, जिसमें सबसे अधिक एक दिन का टीकाकरण रिकॉर्ड 17 सितम्बर, 2021 को हासिल किया गया, जब एक ही दिन में 2.5 करोड़ टीके लगाए गए। ■

75 दिवसीय 'कोविड टीकाकरण अमृत महोत्सव'

केन्द्र सरकार ने 15 जुलाई, 2022 को सरकारी कोविड टीकाकरण केन्द्रों (सीवीसी) में सभी पात्र वयस्क आबादी को निःशुल्क एहतियाती खुराक प्रदान करने के लिए 75 दिवसीय 'कोविड टीकाकरण अमृत महोत्सव' आरंभ किया। आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के हिस्से के रूप में यह विशेष अभियान, कोविड टीकों की एहतियाती खुराक बढ़ाने के लिए एक 'मिशन मोड' में लागू किया जा रहा है। ■

प्रधानमंत्री ने नए संसद भवन की छत पर बने राष्ट्रीय प्रतीक का किया अनावरण

राष्ट्रीय प्रतीक कांस्य से बना है और इसका कुल वजन 9,500 किलोग्राम है तथा इसकी ऊंचाई 6.5 मीटर है। इसे नए संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष के शीर्ष पर बनाया गया है

गत 11 जुलाई को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नए संसद भवन की छत पर बने राष्ट्रीय प्रतीक का अनावरण किया। यह राष्ट्रीय प्रतीक कांस्य से बना है और इसका कुल वजन 9,500 किलोग्राम है तथा इसकी ऊंचाई 6.5 मीटर है। इसे नए संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष के शीर्ष पर बनाया गया है। प्रतीक को सपोर्ट करने के लिए लगभग 6,500 किलोग्राम वजन वाले स्टील की एक सहायक संरचना का भी निर्माण किया गया है।

नए संसद भवन की छत पर राष्ट्रीय प्रतीक के निर्माण की अवधारणा का रेखाचित्र और प्रक्रिया आठ विभिन्न चरणों से गुजरी है, जिसमें मिट्टी प्रारूप/कंप्यूटर ग्राफिक से लेकर कांस्य ढलाई और पॉलिश करने तक की तैयारी शामिल हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ट्वीट कर कहा कि आज सुबह मुझे नई संसद की छत पर बने राष्ट्रीय प्रतीक का अनावरण करने का सम्मान मिला। साथ ही, श्री मोदी ने नई संसद के निर्माण में शामिल श्रमजीवियों के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि संसद के निर्माण में शामिल श्रमजीवियों के साथ मेरी अद्भुत बातचीत हुई। हमें उनके प्रयासों पर गर्व है और हम देश के लिए उनके योगदान को हमेशा याद रखेंगे। ■

युद्धपोत 'दूनागिरी' राष्ट्र को समर्पित

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 15 जुलाई को कोलकाता में गार्डन रीच शिपबिल्डर्स लिमिटेड (जीआरएसई) द्वारा निर्मित प्रोजेक्ट 17ए के वाई- 3023 युद्धपोत दूनागिरी का उद्घाटन किया। प्रोजेक्ट 17ए के सभी युद्धपोत पी17 (शिवालिक क्लास) के युद्धपोतों का ही फॉलो-ऑन हैं और सभी युद्धक नौकाओं में रडार से बचने में पहले से अधिक सक्षम प्रणाली, उन्नत हथियार, सेंसर तथा प्लेटफॉर्म प्रबंधन प्रणालियां स्थापित की गई हैं। मझगांव डॉक लिमिटेड (एमडीएल) और जीआरएसई में सात पी17ए युद्धक नौकाएं निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं।

इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने कहा कि 'दूनागिरी' समुद्र, आकाश और पानी के भीतर दुश्मनों को नष्ट करने के लिए बहुआयामी क्षमताओं वाला एक विश्व स्तरीय स्टील्थ फ्रिगेट साबित होगा। उल्लेखनीय है कि दूनागिरी परियोजना से 3,000 से अधिक स्थानीय रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। इसके अलावा, देश भर में एमएसएमई के साथ 29 भारतीय मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) इस परियोजना में अपना योगदान दे रहे हैं। ■

चालू वित्त वर्ष के पहले तीन महीनों में कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात 14 प्रतिशत बढ़कर 598.7 करोड़ डॉलर हुआ

पिछले वर्ष के रुझान को बरकरार रखते हुए चालू वित्त वर्ष 2022-23 (अप्रैल-जून) के पहले तीन महीनों के दौरान कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में वित्त वर्ष 2021-22 की समान अवधि के मुकाबले 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा 17 जुलाई को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 के लिए सरकार ने एपीडा के तहत कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के लिए 23.56 अरब डॉलर का निर्यात लक्ष्य निर्धारित किया था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा की गई पहल ने देश को चालू वित्त वर्ष के पहले तीन महीनों के दौरान कुल वार्षिक निर्यात लक्ष्य का 25 प्रतिशत हासिल करने में मदद की है।

पहली तिमाही के दौरान प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में 36.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई

वाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी महानिदेशालय द्वारा जारी त्वरित अनुमान आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-जून 2022 में एपीडा (कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण) के तहत उत्पादों का कुल निर्यात बढ़कर 598.7 करोड़ डॉलर हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 525.6 करोड़ डॉलर रहा था। अप्रैल-जून 2022-23 के लिए निर्यात लक्ष्य 589 करोड़ डॉलर था। एपीडा बास्केट में चाय, कॉफी, मसाले, कपास और समुद्री निर्यात शामिल नहीं हैं।

गौरतलब है कि भारत से कृषि उत्पादों का निर्यात वर्ष 2021-22 के दौरान 19.92 प्रतिशत बढ़कर 50.21 अरब डॉलर हो गया। वृद्धि दर उल्लेखनीय है क्योंकि यह वर्ष 2020-21 में हासिल 17.66 प्रतिशत वृद्धि के साथ 41.87 अरब डॉलर के मुकाबले अधिक है। इसे माल भाड़े में उल्लेखनीय तेजी और कंटेनर की कमी आदि लॉजिस्टिक संबंधी अभूतपूर्व चुनौतियों के बावजूद हासिल की गई है। ■

तरंगा हिल-अंबाजी-अबू रोड नई रेल लाइन को मिली मंजूरी

अंबाजी एक प्रसिद्ध महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है और भारत में 51 शक्तिपीठों में से एक है और हर साल गुजरात के साथ-साथ देश के अन्य हिस्सों व विदेशों से लाखों भक्तों को आकर्षित करता है। इस लाइन के बनने से इन लाखों श्रद्धालुओं को यात्रा में आसानी होगी

गत 13 जुलाई को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 2798.16 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से रेल मंत्रालय द्वारा बनाई जाने वाली तरंगा हिल-अंबाजी-आबू रोड नई रेल लाइन के निर्माण को मंजूरी दे दी।

नई रेल लाइन की कुल लंबाई 116.65 किलोमीटर होगी। यह परियोजना 2026-27 तक पूरी हो जाएगी। यह परियोजना निर्माण के दौरान लगभग 40 लाख मानव दिवसों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार पैदा करेगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत की परिकल्पना के अनुरूप यह परियोजना कनेक्टिविटी बढ़ाने और आवाजाही में सुधार करने जा रही है, जिससे क्षेत्र का समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास होगा।

उल्लेखनीय है कि अंबाजी एक प्रसिद्ध महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है और भारत में 51 शक्तिपीठों में से एक है और हर साल गुजरात के साथ-साथ देश के अन्य हिस्सों व विदेशों से लाखों भक्तों को आकर्षित करता है। इस लाइन के बनने से इन लाखों श्रद्धालुओं को यात्रा में आसानी होगी। इसके अलावा, तरंगा हिल में अजीतनाथ जैन मंदिर (24 पवित्र जैन तीर्थंकरों में से एक) के दर्शन करने वाले भक्तों को भी इस संपर्क (कनेक्टिविटी) से बहुत लाभ होगा। तरंगा हिल-अंबाजी-आबू रोड के बीच यह नई रेलवे लाइन इन दो महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों को रेलवे के मुख्य नेटवर्क से जोड़ेगी।

यह लाइन कृषि और स्थानीय उत्पादों को तेजी से लाने-ले जाने की सुविधा प्रदान करेगी और गुजरात व राजस्थान राज्य के भीतर तथा देश के अन्य हिस्सों में भी लोगों की बेहतर आवाजाही प्रदान करेगी। यह परियोजना मौजूदा अहमदाबाद-आबू रोड रेलवे लाइन के लिए वैकल्पिक मार्ग भी प्रदान करेगी। यही नहीं, नई रेल लाइन के निर्माण से निवेश आकर्षित होगा और क्षेत्र का समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास होगा। ■

मध्य प्रदेश का बुरहानपुर जिला देश का पहला 'हर घर जल' प्रमाणित जिला बना

केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा 22 जुलाई को जारी एक बयान के अनुसार मध्य प्रदेश में 'दक्षिण का दरवाजा' के नाम से मशहूर बुरहानपुर जिला देश का पहला 'हर घर जल' प्रमाणित जिला बन गया। बुरहानपुर देश का एकमात्र जिला है, जहां 254 गांवों में से प्रत्येक गांव के लोगों ने ग्राम सभाओं द्वारा पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से अपने गांव को 'हर घर जल' घोषित किया है, जो यह प्रमाणित करता है कि गांवों में सभी लोगों को नल से सुरक्षित पेयजल उपलब्ध है, यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी छूटा नहीं है।

'जल जीवन मिशन' के 15 अगस्त, 2019 को शुभारंभ के समय बुरहानपुर में कुल 1,01,905 घरों में से केवल 37,241 ग्रामीण परिवारों (36.54 प्रतिशत) के पास नल कनेक्शन के माध्यम से पीने योग्य जल था। कोविड-19 महामारी के कारण विभिन्न बाधाओं और चुनौतियों का सामना करने के बावजूद पंचायत प्रतिनिधियों, पानी समितियों और बुरहानपुर के जिला अधिकारियों के निरंतर प्रयासों से 34 महीनों की अवधि के भीतर इसके सभी 1,01,905 ग्रामीण घरों में नल के पानी के चालू कनेक्शन का प्रावधान किया गया। घरों के साथ-साथ सभी 640 स्कूलों, 547 आंगनवाड़ी केन्द्रों और 440 अन्य सार्वजनिक संस्थानों में भी नल कनेक्शन हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले के लोगों को देश का पहला 'हर घर जल' प्रमाणित जिला बनने पर अपनी शुभकामनाएं दीं। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत के ट्वीट पर अपनी प्रतिक्रिया में प्रधानमंत्री ने कहा कि इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बुरहानपुर की मेरी बहनों और भाइयों को बधाई।

उन्होंने कहा कि यह लोगों के बीच सामूहिक भावना और जल जीवन मिशन टीम एवं मुख्यमंत्री शिवराज चौहान के नेतृत्व वाली मध्य प्रदेश सरकार के मिशन मोड प्रयासों के बिना संभव नहीं हो पाता। ■

दार्शनिक व प्रखर राष्ट्रवादी श्री अरबिंदो

(15 अगस्त, 1872 — 5 दिसम्बर, 1950)

शत-शत नमन

आधुनिक काल में भारत में अनेक महान क्रांतिकारी और योगी हुए हैं, उनमें श्री अरबिंदो अद्वितीय हैं। श्री अरबिंदो घोष दार्शनिक, कवि और प्रखर राष्ट्रवादी थे, जिन्होंने आध्यात्मिक विकास के माध्यम से सार्वभौमिक मोक्ष का दर्शन प्रतिपादित किया। श्री अरबिंदो को भारतीय एवं यूरोपीय दर्शन और संस्कृति का अच्छा ज्ञान था। श्री अरबिंदो का मानना है कि इस युग में भारत विश्व में एक रचनात्मक भूमिका निभा रहा है तथा भविष्य में भी निभायेगा। उनके दर्शन में जीवन के सभी पहलुओं का समावेश है। उन्होंने अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए हैं। संस्कृति, राष्ट्रवाद, राजनीति, समाजवाद, साहित्य और विशेषकर काव्य के क्षेत्र में उनकी कृतियां बहुचर्चित हुई हैं।

श्री अरबिंदो का जन्म 15 अगस्त, 1872 को बंगाल के कलकत्ता, वर्तमान कोलकाता में एक सम्पन्न परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम डॉक्टर कृष्ण धन घोष और माता का नाम श्रीमती स्वर्णलता देवी था। श्री अरबिंदो की शिक्षा दार्जिलिंग में ईसाई कॉन्वेंट स्कूल में प्रारम्भ हुई और वे आगे की शिक्षा के लिए इंग्लैण्ड गए। इंग्लैण्ड में श्री अरबिंदो घोष की भेंट बड़ौदा नरेश से हुई। बड़ौदा नरेश श्री अरबिंदो की योग्यता देखकर बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने श्री अरबिंदो को अपना प्राइवेट सेक्रेटरी नियुक्त कर लिया। वह बड़ौदा कॉलेज में प्रोफेसर बने और फिर बाद में वाइस प्रिंसिपल भी बने। उन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया, जहां पर वे तीन आधुनिक यूरोपीय भाषाओं के कुशल ज्ञाता बन गए। 1892 में भारत लौटने पर उन्होंने बड़ौदा, वर्तमान वडोदरा और कोलकाता में विभिन्न प्रशासनिक व प्राध्यापकीय पदों पर कार्य किया।

श्री अरबिंदो के लिए 1902 से 1910 के वर्ष हलचल भरे थे, क्योंकि उन्होंने भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराने का बीड़ा उठाया था। बड़ौदा कॉलेज की नौकरी छोड़कर वह कोलकाता चले गए और कोलकाता के 'नेशनल कॉलेज' के प्रिंसिपल बने। इस समय तक उन्होंने 'सादा जीवन और उच्च विचार' जीवन अपना लिया। उन पर रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद के साहित्य का गहन प्रभाव था।

सन् 1905 में लॉर्ड कर्जन ने पूर्वी बंगाल और पश्चिमी बंगाल के रूप में बंगाल के दो टुकड़े कर दिए, ताकि हिन्दू और मुसलमानों में फूट पड़ सके। इस बंग-भंग के कारण बंगाल में जन-जन में असंतोष फैल गया। रवीन्द्रनाथ ठाकुर और श्री अरबिंदो घोष ने इस जन आंदोलन का नेतृत्व किया। वे 1906 से 1909 तक सिर्फ तीन वर्ष के लिए प्रत्यक्ष राजनीति में रहे। इतने अल्प समय में भी वे लोगों के अति प्रिय बन गए।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस लिखते है— जब मैं 1913 में कलकत्ता आया, अरबिंदो तब तक किंवदंती बन चुके थे। जिस आनंद तथा उत्साह के साथ लोग उनकी चर्चा करते शायद ही किसी की वैसी करते। दो वर्ष बाद ब्रिटिश भारत को छोड़कर श्री अरबिंदो दक्षिण भारत स्थित फ्रांसीसी उपनिवेश पांडिचेरी चले गए, जहां उन्होंने अपना शेष जीवन पूर्णरूपेण अपना दर्शन विकसित करने में लगा दिया। उन्होंने वहां पर आध्यात्मिक विकास के अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक केन्द्र के रूप में एक आश्रम की स्थापना की, जिसकी ओर विश्व भर के छात्र आकर्षित हुए।

पांडिचेरी आने के बाद वे सांसारिक कार्यों से अलग होकर आत्मा की खोज में लग गए। पांडिचेरी आने के बाद श्री अरबिंदो अंत तक योगाभ्यास करते रहे और उन्हें परमात्मा से साक्षात्कार की अनुभूति हुई। उनका दृढ़ विश्वास था कि संसार के दुःख का निवारण आत्मा के विकास से हो सकता है, जिसकी प्राप्ति केवल योग द्वारा ही संभव है। वे मानते थे कि योग से ही नई चेतना आ सकती है। श्री अरबिंदो घोष की मृत्यु 5 दिसम्बर, 1950 में पांडिचेरी में हुई थी। ■

बीते 4-5 सालों में हमारा डिफेंस इंपोर्ट लगभग 21 प्रतिशत कम हुआ है: नरेन्द्र मोदी

'स्प्रिंट चैलेंज' का उद्देश्य भारतीय नौसेना में स्वदेशी प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 18 जुलाई को एनआईआईओ (नौसेना नवाचार और स्वदेशीकरण संगठन) सेमिनार 'स्वावलंबन' को संबोधित किया। सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि भारतीय सेनाओं में आत्मनिर्भरता का लक्ष्य 21वीं सदी के भारत के लिए बहुत जरूरी है। आत्मनिर्भर नौसेना के लिए पहले स्वावलंबन सेमिनार का आयोजन होना, इस दिशा में अहम कदम है।

उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था में महासागरों और तटों के महत्व के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि भारतीय नौसेना की भूमिका लगातार बढ़ रही है और इसलिए नौसेना की आत्मनिर्भरता बहुत महत्वपूर्ण है।

श्री मोदी ने कहा कि आत्मनिर्भर रक्षा प्रणाली अर्थव्यवस्था के लिए और सामरिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि देश ने 2014 के बाद इस निर्भरता को कम करने के लिए मिशन मोड में काम किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने अपनी पब्लिक सेक्टर डिफेंस कंपनियों को अलग-अलग सेक्टर में संगठित कर उन्हें नई ताकत दी है।

श्री मोदी ने कहा कि बीते 8 वर्षों में हमने सिर्फ डिफेंस का बजट ही नहीं बढ़ाया है, ये बजट देश में ही डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग इको-सिस्टम के विकास में भी काम आए, ये भी सुनिश्चित किया है। रक्षा उपकरणों की खरीद के लिए तय बजट का बहुत बड़ा हिस्सा आज भारतीय कंपनियों से खरीद में ही लग रहा है। उन्होंने उन 300 वस्तुओं की सूची तैयार करने के लिए रक्षा बलों की भी सराहना की, जिनका आयात नहीं किया जाएगा।

श्री मोदी ने कहा कि बीते 4-5 सालों में हमारा डिफेंस इंपोर्ट लगभग 21 प्रतिशत कम हुआ है। आज हम सबसे बड़े डिफेंस इंपोर्टेर

के बजाय एक बड़े एक्सपोर्टर की तरफ तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष 13 हजार करोड़ रुपये मूल्य का 70 प्रतिशत से अधिक रक्षा निर्यात निजी क्षेत्र से हुआ था।

गौरतलब है कि आत्मनिर्भर भारत का एक प्रमुख स्तंभ— रक्षा क्षेत्र में देश आत्मनिर्भरता प्राप्त कर रहा है। प्रधानमंत्री ने इस प्रयास को आगे बढ़ाने के लिए आयोजित कार्यक्रम के दौरान 'स्प्रिंट चैलेंज' का शुभारंभ किया, जिसका उद्देश्य भारतीय नौसेना में स्वदेशी प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देना है।

'आजादी का अमृत महोत्सव' के एक हिस्से के रूप में एनआईआईओ, रक्षा नवाचार संगठन (डीआईओ) के साथ मिलकर भारतीय नौसेना में कम से कम 75 नई स्वदेशी प्रौद्योगिकियों/उत्पादों को शामिल करने का लक्ष्य रखता है। इस सहयोगी परियोजना का नाम स्प्रिंट (आईडेक्स, एनआईआईओ और टीडीएसी के माध्यम से आरएंडडी में पोल-वॉल्टिंग का समर्थन) है। ■

14 राज्यों में 166 सीएनजी स्टेशन राष्ट्र को समर्पित

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने 15 जुलाई को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के अनुसार प्राकृतिक गैस आधारित अर्थव्यवस्था के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 166 संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) स्टेशन लोगों की सेवा में समर्पित किए। इन सीएनजी स्टेशनों को गेल (इंडिया) लिमिटेड और इसके समूह की नौ सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) कंपनियों ने देश के 14 राज्यों में 41 भौगोलिक क्षेत्रों (जीए) में स्थापित किए हैं।

इन सीएनजी स्टेशनों को एक समारोह में श्री पुरी ने वीडियो लिंक के माध्यम से समर्पित किया। समारोह में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस और श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री श्री रामेश्वर तेली भी उपस्थिति थे।

श्री पुरी ने कहा कि 400 करोड़ रुपये की लागत से चालू किए गए ये सीएनजी स्टेशन देश में गैस आधारित बुनियादी ढांचे और स्वच्छ ईंधन की उपलब्धता को और दुरुस्त करेंगे। उन्होंने बताया कि 2014 की तुलना में जब देश में लगभग 900 सीएनजी स्टेशन थे, वर्तमान में सीएनजी स्टेशनों की संख्या 4500 को पार कर गई है और अगले दो वर्षों में इसकी संख्या 8000 तक बढ़ा दी जाएगी। पीएनजी कनेक्शन की संख्या भी वर्ष 2014 में लगभग 24 लाख की तुलना में अब 95 लाख को पार कर गई है। ■

'आजादी के अमृतकाल को अंत्योदय के युग में बदलने के लिए प्रतिबद्ध हैं सभी मुख्यमंत्री'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 24 जुलाई, 2022 को भारतीय जनता पार्टी के नई दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय में मुख्यमंत्री परिषद् की बैठक में भाग लिया और भाजपा/एनडीए-शासित राज्यों के सभी 12 मुख्यमंत्रियों और 8 उप मुख्यमंत्रियों के साथ संवाद कर उन्हें आगे बढ़ने का मंत्र दिया। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने भी मुख्यमंत्रियों और उप-मुख्यमंत्रियों के साथ संवाद किया। इससे पहले भाजपा की मुख्यमंत्री परिषद् की बैठक दिसंबर, 2021 में वाराणसी में हुई थी।

बैठक के दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी ने केंद्र सरकार की कुछ प्रमुख योजनाओं और केंद्र सरकार द्वारा शुरू किये पीएम गतिशक्ति योजना, हर घर जल, स्वामित्व योजना, डीबीटी कार्यान्वयन, सरकारी ई-मार्केटप्लेस जैसे इनिशिएटिव्स के बेहतर कार्यान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने खासतौर पर भाजपाशासित राज्यों में इन योजनाओं और पहल के क्रियान्वयन की सराहना भी की। ग्रामीण क्षेत्रों के बारे में बात करते हुए उन्होंने गोवर्धन के महत्व और इस पहल को और लोकप्रिय बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने फसल उत्पादकता पर नैनो-उर्वरक के सकारात्मक प्रभाव को रेखांकित किया और इसके उपयोग को बढ़ाने की बात कही। उन्होंने सभी प्रमुख योजनाओं के संतृप्ति स्तर तक के कवरेज को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि भाजपाशासित राज्यों को इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कारोबार सुगमता सुनिश्चित करने की जरूरत पर खासा जोर दिया। उन्होंने इस दिशा में केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कई कदमों के बारे में बताया। उन्होंने राज्यों को देश में कारोबारी माहौल को और बढ़ावा देने की दिशा में कदम उठाने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

श्री मोदी ने मुख्यमंत्रियों से कहा कि वे सुनिश्चित करें कि राज्य खेलों को उचित महत्व दें और बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी और जुड़ाव को प्रोत्साहित करने के लिए सर्वोत्तम सुविधाओं का प्रावधान सुनिश्चित करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपाशासित राज्यों को अपनी खेल-संस्कृति के लिए प्रसिद्ध होने का लक्ष्य रखना चाहिए। उन्होंने सभी कस्बों, गांवों और शहरों के स्थापना दिवस मनाने के महत्व के बारे में भी बात की।

बैठक के दौरान भाजपाशासित राज्यों में केंद्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई। कल्याणकारी योजनाओं की अंतिम छोर पर खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए व्यापक रणनीति, जीरो लीकेज के साथ अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करने हेतु ई-गवर्नेंस सिस्टम्स के बेहतर उपयोग और दूर-दराज के क्षेत्रों में विकास योजनाओं की पहुंच को प्राथमिकता देने और शत-प्रतिशत पात्र लाभार्थियों के कवरेज पर चर्चा की गई। 'अमृत सरोवर मिशन' की प्रगति और 'हर घर तिरंगा' अभियान की तैयारी की भी समीक्षा की गई। सभी मुख्यमंत्री सुशासन के माध्यम से आजादी के अमृतकाल को अंत्योदय के युग में बदलने का प्रयास करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ■

प्रधानमंत्री ने देवघर हवाई अड्डे का किया उद्घाटन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12 जुलाई को देवघर में 16,800 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर झारखंड के राज्यपाल श्री रमेश बैस, मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन, केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, राज्य के मंत्री और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। यही नहीं, श्री मोदी ने झारखंड के देवघर में बाबा बैद्यनाथ धाम में पूजा-अर्चना भी की।

सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बाबा वैद्यनाथ के आशीर्वाद से आज 16 हज़ार करोड़ रुपए से अधिक के प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। इनसे झारखंड की आधुनिक कनेक्टिविटी, ऊर्जा, स्वास्थ्य, आस्था और पर्यटन को बहुत अधिक बल मिलने वाला है।

श्री मोदी ने कहा कि राज्यों के विकास से राष्ट्र का विकास, देश पिछले 8 वर्षों से इसी सोच के साथ काम कर रहा है। पिछले 8 वर्षों में हाईवेज, रेलवेज, एयरवेज, वाटरवेज, हर प्रकार से झारखंड को कनेक्ट करने के प्रयास में भी यही सोच, यही भावना सर्वोपरि रही है। इन सभी सुविधाओं का राज्य के आर्थिक विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

> **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देवघर में 16,800 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया**

उन्होंने कहा कि आज झारखंड को दूसरा एयरपोर्ट मिल रहा है। इससे बाबा बैद्यनाथ के भक्तों को काफी आसानी होगी। उड़ान योजना के माध्यम से आम आदमी के लिए हवाई यात्रा को किफायती बनाने के संदर्भ में प्रधानमंत्री ने कहा कि आज सरकार के प्रयासों का लाभ पूरे देश में दिखाई दे रहा है। उड़ान योजना के तहत पिछले 5-6 वर्षों में हवाई अड्डों, हेलीपोर्ट और वाटर एयरोड्रोम के माध्यम से लगभग 70 नए स्थान जोड़े गए हैं। आज आम नागरिकों को 400 से अधिक नए रूटों पर हवाई यात्रा की सुविधा मिल रही है। 1 करोड़ से अधिक लोगों ने बहुत सस्ती हवाई यात्रा की है और इनमें से कई लोगों ने पहली बार हवाई यात्रा का अनुभव किया है।

श्री मोदी ने प्रसन्नता व्यक्त की कि देवघर से कोलकाता के लिए उड़ान आज से शुरू हो गई है और रांची, दिल्ली तथा पटना के लिए उड़ानें जल्द ही शुरू हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि बोकारो और दुमका में हवाई अड्डों का काम चल रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार कनेक्टिविटी के साथ-साथ देश में आस्था और अध्यात्म से जुड़े महत्वपूर्ण स्थानों पर सुविधाओं के निर्माण पर भी ध्यान दे रही है। प्रसाद योजना के तहत बाबा बैद्यनाथ धाम में भी आधुनिक सुविधाओं का विस्तार किया गया है। इस प्रकार जब संपूर्णता की सोच से काम होता है तो पर्यटन के रूप में समाज के हर वर्ग, हर क्षेत्र को आय के नए साधन मिलते हैं और इनसे नई सुविधाएं नए अवसर पैदा होते हैं।

प्रधानमंत्री ने झारखंड राज्य के लिए गैस आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के देश के प्रयासों के लाभों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पीएम ऊर्जा गंगा योजना पुरानी तस्वीर को बदल रही है। श्री मोदी ने कहा कि हम अभावों को अवसरों में बदलने पर अनेक नए ऐतिहासिक निर्णय कर रहे हैं। गेल की जगदीशपुर-हल्दिया-बोकारो-धामरा पाइपलाइन के बोकारो-अंगुल खंड से झारखंड और ओडिशा के 11 जिलों में सिटी गैस वितरण नेटवर्क का विस्तार होगा।

उन्होंने कहा कि हम 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र पर चल रहे हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश कर विकास के, रोजगार-स्वरोजगार के नए रास्ते खोजे जा रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि आजादी के इतने समय बाद तक विद्युतीकृत किए गए 18,000 गांवों में से अधिकांश दुर्गम और दूरदराज के इलाकों में हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले 8 वर्षों में नल का पानी, सड़क

और गैस कनेक्शन लाने के लिए मिशन मोड में काम किया है।

बड़े शहरों से परे आधुनिक सुविधाओं के प्रसार का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने कहा कि ये परियोजनाएं इस बात का सबूत हैं कि जब आम नागरिकों के जीवन को आसान बनाने के लिए कदम उठाए जाते हैं तो राष्ट्र की संपदा का निर्माण होता है और राष्ट्रीय विकास के नए अवसर भी तैयार होते हैं। उन्होंने कहा कि यही सही विकास है और हमें मिलकर ऐसे ही विकास की गति को तेज करना है।

देवघर में विकास परियोजनाएं

बाबा वैद्यनाथ धाम देश भर के श्रद्धालुओं के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। बाबा वैद्यनाथ के लिए सीधा संपर्क उपलब्ध कराने के एक कदम के रूप में प्रधानमंत्री ने देवघर हवाई अड्डे का लोकार्पण किया। इसे अनुमानित रूप से लगभग 400 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन की क्षमता सालाना लगभग पांच लाख यात्रियों की है।

देवघर में एम्स पूरे इलाके में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एक वरदान है। एम्स, देवघर की सेवाओं में बढ़ोतरी होगी, क्योंकि प्रधानमंत्री ने एम्स, देवघर रोगी (इन-पेशेंट) विभाग (आईपीडी) और ऑपरेशन थिएटर संबंधी सेवाएं राष्ट्र को समर्पित कीं। यह श्री मोदी के देश के सभी हिस्सों में उत्कृष्ट स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास के विजन के अनुरूप है। प्रधानमंत्री ने 25 मार्च, 2018 को एम्स देवघर की आधारशिला रखी थी।

श्री मोदी की देश भर के धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण स्थलों पर विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के विकास और ऐसे सभी स्थानों पर पर्यटकों के लिए सुविधाओं में सुधार की प्रतिबद्धता को पर्यटन मंत्रालय की प्रसाद योजना के तहत स्वीकृत 'वैद्यनाथ धाम, देवघर विकास' परियोजना के घटकों के रूप में और बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन की गई परियोजनाओं में 2,000 तीर्थयात्रियों की क्षमता वाले दो बड़े तीर्थ मंडली भवनों का विकास, जलसर झील के फ्रंट का विकास, शिवगंगा तालाब विकास आदि शामिल हैं। नई सुविधाओं से हर साल बाबा बैद्यनाथ धाम आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के अनुभव में सुधार होगा।

श्री मोदी ने 10,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कई सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर एनएच-2 के गोरहर से बरवाड़ा खंड को छह लेन, राजगंज-चास से एनएच-32 की पश्चिम बंगाल सीमा तक चौड़ीकरण आदि परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया। इसके अलावा, जिन परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया है उनमें एनएच-80 के मिर्जाचौकी-फरक्का खंड को चार लेन का बनाना, एनएच-98 के हरिहरगंज से परवा मोड खंड को चार लेन का बनाना, एनएच-23 के पालमा से गुमला खंड को चार लेन का बनाना, एनएच-75 के कुचेरी चौक से पिस्का मोड खंड पर एलिवेटेड कॉरिडोर बनाना आदि शामिल हैं। इन परियोजनाओं से क्षेत्र में संपर्क को और प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही, आम जनता के लिए आवाजाही आसान हो जाएगी।

प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में लगभग 3,000 करोड़ रुपये की विभिन्न एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। इसमें गेल की जगदीशपुर-हल्दिया-बोकारो-धामरा पाइपलाइन का बोकारो-अंगुल खंड; बरही, हजारीबाग में एचपीसीएल का नया एलपीजी बॉटलिंग संयंत्र और बीपीसीएल के बोकारो एलपीजी बॉटलिंग संयंत्र का लोकार्पण शामिल है। इसके अलावा, झरिया ब्लॉक में पर्बतपुर गैस कलेक्टिंग स्टेशन, ओएनजीसी के कोल बेड मीथेन (सीबीएम) एसेट का शिलान्यास किया गया।

श्री मोदी ने दो रेल परियोजनाओं— गोड्डा-हंसडीहा विद्युतीकरण खंड और गरहवा-महुरिया दोहरीकरण परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं से उद्योगों और बिजली घरों को सामान की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी। इनसे दुमका से आसनसोल को ट्रेनों की आवाजाही भी आसान हो जाएगी। प्रधानमंत्री ने तीन रेल परियोजनाओं— रांची रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास, जसीडीह बाइपास लाइन और एलएचबी कोच रखरखाव डिपो, गोड्डा का शिलान्यास भी किया। रांची स्टेशन के पुनर्विकास में फूड कोर्ट, एग्जीक्यूटिव लॉउंज, कैफेटेरिया, एयर कंडीशंड वेटिंग हॉल आदि सहित विश्वस्तरीय यात्री सुविधाएं शामिल हैं। इससे आवाजाही आसान होने के साथ ही यात्रियों के लिए आराम भी सुनिश्चित होगा। ■

बिहार विधान सभा का शताब्दी समारोह का समापन कार्यक्रम

'भारत में लोकतन्त्र की अवधारणा उतनी ही प्राचीन है जितना प्राचीन ये राष्ट्र है'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12 जुलाई को पटना में बिहार विधान सभा के शताब्दी समारोह के समापन कार्यक्रम को संबोधित किया। श्री मोदी ने शताब्दी स्मृति स्तंभ का अनावरण किया, जिसे बिहार विधानसभा के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में बनाया गया है। उन्होंने विधानसभा संग्रहालय की आधारशिला भी रखी। संग्रहालय में विभिन्न दीर्घाएं बिहार में लोकतंत्र के इतिहास और मौजूदा बुनियादी सुविधाओं के विकास को प्रदर्शित करेंगी। इसमें 250 से अधिक लोगों की क्षमता वाला एक सम्मेलन हॉल भी होगा। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने विधानसभा गेस्ट हाउस की आधारशिला भी रखी। इस अवसर पर बिहार के राज्यपाल श्री फागू चौहान और मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि बिहार का ये स्वभाव है कि जो बिहार से स्नेह करता है, बिहार उसे वो प्यार कई गुना करके लौटाता है। बिहार विधानसभा के गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा का अपना एक इतिहास रहा है और यहां विधानसभा भवन में एक से एक, बड़े और साहसिक निर्णय लिए गए हैं।

पक्ष-विपक्ष के भेद से ऊपर उठकर देश के लिए, देशहित के लिए हमारी आवाज एकजुट होनी चाहिए

श्री मोदी ने भारतीय लोकतंत्र की प्राचीन जड़ों के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि दशकों से हमें ये बताने की कोशिश होती रही है कि भारत को लोकतन्त्र विदेशी हुकूमत और विदेशी सोच के कारण मिला है, लेकिन कोई भी व्यक्ति जब ये कहता है तो वो बिहार के इतिहास और बिहार की विरासत पर पर्दा डालने की कोशिश करता है। जब दुनिया के बड़े भूभाग सभ्यता और संस्कृति की ओर अपना पहला कदम बढ़ा रहे थे, तब वैशाली में परिष्कृत लोकतन्त्र का संचालन हो रहा था।

प्रधानमंत्री ने विस्तारपूर्वक बताया कि भारत में लोकतन्त्र की अवधारणा उतनी ही प्राचीन है जितना प्राचीन ये राष्ट्र है, जितनी प्राचीन हमारी संस्कृति है।

श्री मोदी ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव और बिहार विधान सभा के 100 साल का यह ऐतिहासिक अवसर भी हम सभी के लिए, प्रत्येक जन प्रतिनिधि के लिए आत्मनिरीक्षण और आत्म-विश्लेषण का संदेश लेकर आया है। हम अपने लोकतंत्र को जितना मजबूत करेंगे, हमें अपनी आजादी और अपने अधिकारों के लिए उतनी ही ताकत मिलेगी।

21वीं सदी की बदलती जरूरतों और स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में नए भारत के संकल्पों के संदर्भ में प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के सांसद के रूप में, राज्य के विधायक के रूप में हमारी ये भी ज़िम्मेदारी है कि हम लोकतंत्र के सामने आ रही हर चुनौती को मिलकर हराएं। पक्ष-विपक्ष के भेद से ऊपर उठकर देश के लिए, देशहित के लिए हमारी आवाज़ एकजुट होनी चाहिए।

श्री मोदी ने कहा कि विधानसभाओं के सदनों को जनता से संबंधित विषयों पर सकारात्मक बातचीत का केंद्र बनने दें। संसद के कार्य निष्पादन पर उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में संसद में सांसदों की उपस्थिति और संसद की उत्पादकता में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। पिछले बजट सत्र में भी लोकसभा की उत्पादकता 129 प्रतिशत थी। राज्य सभा में भी 99 प्रतिशत उत्पादकता दर्ज की गई। यानी देश लगातार नए संकल्पों पर काम कर रहा है, लोकतांत्रिक विमर्श को आगे बढ़ा रहा है।

21वीं सदी को भारत की सदी के रूप में चिह्नित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के लिए ये सदी कर्तव्यों की सदी है। हमें इसी सदी में अगले 25 सालों में नए भारत के स्वर्णिम लक्ष्य तक पहुंचना है। इन लक्ष्यों तक हमें हमारे कर्तव्य ही लेकर जाएंगे। इसलिए, ये 25 साल देश के लिए कर्तव्य पथ पर चलने के साल हैं।

श्री मोदी ने विस्तार से कहा कि हमें अपने कर्तव्यों को अपने अधिकारों से अलग नहीं मानना चाहिए। हम अपने कर्तव्यों के लिए जितना परिश्रम करेंगे, हमारे अधिकारों को भी उतना ही बल मिलेगा। हमारी कर्तव्य निष्ठा ही हमारे अधिकारों की गारंटी है। ■

आई2यू2 शिखर सम्मेलन का उद्देश्य स्वच्छ तकनीक के माध्यम से समृद्धि लाना है

विकास आनंद

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 14 जुलाई को आई2यू2 के पहले शिखर सम्मेलन में इजरायल के प्रधानमंत्री संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ भाग लिया। आई2यू2 की कल्पना पिछले साल अक्टूबर में चार देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान की गई थी। पहले यह एक त्रिपक्षीय समूह था जिसमें भारत, इज़राइल और संयुक्त अरब अमीरात शामिल थे। संयुक्त राज्य अमेरिका के जुड़ने के बाद यह चार देशों का समूह बन गया। यहां आई2 का अर्थ भारत और इज़राइल है और यू2 का अर्थ यूएसए (अमेरिका) और यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) है। इसका उद्देश्य पारस्परिक रूप से पहचाने गए छह क्षेत्रों (जल, ऊर्जा, परिवहन, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा) में संयुक्त निवेश को प्रोत्साहित करना है। इस समूह का उद्देश्य निजी क्षेत्र की पूंजी को जुटाना और इसे आर्थिक सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग कर इन देशों में अधिक समृद्धि और सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करना है।

प्रधानमंत्री ने शिखर सम्मेलन में अन्य आई2यू2 नेताओं के साथ हमारे संबंधित क्षेत्रों और उसके बाहर आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए एक उद्देश्यपूर्ण चर्चा की, जिसमें विशिष्ट परियोजनाओं, विशिष्ट संयुक्त परियोजनाओं को बढ़ावा देने पर चर्चा और लाभ के लिए सामान्य क्षेत्रीय क्षेत्रों पर चर्चा शामिल थी। आई2यू2 सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त बयान दो परियोजनाओं में सहयोग पर जोर देता है। पहला, खाद्य सुरक्षा पर और दूसरा स्वच्छ ऊर्जा पर। संयुक्त बयान में कहा गया है कि संयुक्त अरब अमीरात-अंतरराष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा एजेंसी (आईआरईएनए) प्रमुख केंद्र-भारत भर में एकीकृत खाद्य पार्कों की एक श्रृंखला विकसित करने के लिए 2 बिलियन अमरीकी डालर का निवेश करेगा जो भोजन की बर्बादी को कम करने के लिए अत्याधुनिक जलवायु-स्मार्ट प्रौद्योगिकियों को लगाने में मदद करेगा। इसके अतिरिक्त ताजे पानी का संरक्षण करना और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को नियोजित करना भी इस पहल में शामिल है। भारत परियोजना के लिए उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराएगा और फूड पार्कों में एकीकरण की सुविधा प्रदान करेगा। अमेरिका और इजरायल के निजी क्षेत्रों को अपनी विशेषज्ञता और परियोजना की समग्र स्थिरता में योगदान देने के साथ अभिनव समाधान प्रदान करेंगे। इन निवेशों से फसल की पैदावार बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिससे दक्षिण एशिया और मध्य पूर्व में खाद्य असुरक्षा कम होगी।

स्वच्छ ऊर्जा के संदर्भ में आई2यू2 समूह भारत के गुजरात राज्य में एक हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना को आगे बढ़ाएगा, जिसमें 300 मेगावाट पवन और सौर क्षमता शामिल होगी जो बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली द्वारा पूरक होगी। 330 मिलियन अमरीकी डालर की परियोजना के लिए एक व्यवहार्यता अध्ययन को अमेरिकी व्यापार और विकास एजेंसी द्वारा वित्त पोषित किया गया था। संयुक्त अरब अमीरात में स्थित कंपनियां महत्वपूर्ण ज्ञान और निवेश भागीदारों के रूप में सहयोग करेंगी। इजरायल और अमेरिका ने निजी क्षेत्र में अवसर पैदा करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात और भारत के साथ सहयोग करने की योजना बनाई है। भारतीय कंपनियां इस परियोजना में भाग लेने के लिए उत्सुक हैं और भारत को 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता के अपने लक्ष्य ले जाने के लिए काम कर रही है। इस तरह की पहलों में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए भारत को वैश्विक केंद्र बनाने की क्षमता है।

इन दो विशिष्ट परियोजनाओं के अलावा, आई2यू2 नेताओं ने कनेक्टिविटी सहित बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण कैसे किया जाए, निम्न-कार्बन विकास मार्गों को कैसे आगे बढ़ाया जाए, सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र, अपशिष्ट उपचार समाधान, और स्टार्ट-अप को आई2यू2 निवेश प्लेटफॉर्म और फिनटेक से कैसे जोड़ा जाए, इस पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने फिनटेक क्षेत्र में आई2यू2 क्षेत्रों में यूपीआई भुगतान प्रणाली के विस्तार के महत्व और व्यवहार्यता पर जोर दिया।

जलवायु पहल के लिए कृषि नवाचार मिशन को 'ऐम फॉर क्लाइमेट' के रूप में संक्षिप्त तौर पर परिभाषित किया गया है। जलवायु के लिए कृषि नवाचार मिशन (ऐम फॉर क्लाइमेट) की वेबसाइट के अनुसार यह संयुक्त राज्य अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात की एक संयुक्त पहल है। अगले पांच वर्षों में जलवायु के लिए ऐम फॉर क्लाइमेट प्रतिभागियों को जलवायु-स्मार्ट कृषि और खाद्य प्रणाली नवाचार (2021-2025) में निवेश और अन्य समर्थन बढ़ाने के लिए एक साथ लाएगा। समूह के नेताओं ने मिशन में शामिल होने को लेकर भारत की रुचि का स्वागत किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह पहल और निवेश को बढ़ावा देने के लिए दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी में केवल पहला कदम है, जो नागरिकों और वस्तुओं की आवाजाही में सुधार करता है, जबकि सहयोगी विज्ञान और प्रौद्योगिकी साझेदारी के माध्यम से स्थिरता और लचीलापन भी बढ़ाता है। ■

बूस्टर डोज अभियान को सफल बनाएं : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 20 जुलाई, 2022 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कोरोना के खिलाफ जारी निर्णायक लड़ाई के तहत शुरू किये गए 'फ्री बूस्टर डोज' अभियान के तहत लेडी हार्डिंग हॉस्पिटल (नई दिल्ली) स्थित वैक्सीनेशन सेंटर का जायजा लिया और वहां उपस्थित स्वास्थ्यकर्मियों के साथ संवाद किया। उनके साथ पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री श्री अरुण सिंह, दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता सहित कई पार्टी पदाधिकारी भी उपस्थित थे। श्री नड्डा ने बूस्टर डोज लगवाने आये हुए लोगों के साथ भी बातचीत की और वैक्सीनेशन सेंटर पर उपलब्ध सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली। श्री नड्डा ने पहले भी कई बार वैक्सीनेशन सेंटर का जायजा लिया है। वे पिछले वर्ष जून में दिल्ली के डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल और सितंबर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) स्थित टीकाकरण केंद्र पहुंचे थे और वहां की सुविधाओं का जायजा लिया था।

लेडी हार्डिंग हॉस्पिटल स्थित वैक्सीनेशन सेंटर का जायजा लेने के पश्चात् श्री नड्डा ने कहा कि मैं कोरोना के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में लगे तमाम डॉक्टर्स, हेल्थलाइन वर्कर्स एवं पैरामेडिक्स को साधुवाद देता हूं एवं उन्हें बधाई देता हूं, क्योंकि उन्होंने मानवता की सेवा हेतु पिछले दो वर्षों से अपने प्राणों की भी परवाह न करते हुए कोरोना संक्रमण के खिलाफ भारत की लड़ाई को और मजबूत किया है। इसके लिए भारत उनका सदा ऋणी रहेगा।

घर-घर जाइए, घर-घर संपर्क कीजिए और लोगों को बूस्टर डोज के लिए प्रोत्साहित कीजिए

उन्होंने कहा कि अभी 17 जुलाई को ही देश में कोविड वैक्सीनेशन डोज का आंकड़ा 200 करोड़ को पार कर गया। यह हमारे देश के लिए एक महान उपलब्धि है। पहले तो 20-20 साल तक देश को वैक्सीन के लिए इंतजार करना पड़ता था, चाहे वह पोलियो का टीका हो, या मलेरिया का, या जापानीज इन्सेफ़्लाइटिस का, या टिटनेस का या फिर अन्य बीमारियों का। इन सभी वैक्सींस को भारत आने में वर्षों लग गए लेकिन देश में कोविड-19 की दस्तक होते ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 9 महीने में ही अर्थात् एक वर्ष से भी कम समय में देश के वैज्ञानिकों ने दो-दो विश्वस्तरीय 'मेड इन इंडिया' वैक्सीन का निर्माण किया और अब भारत ने 200 करोड़ वैक्सीनेशन का आंकड़ा भी पार कर लिया है।

उन्होंने कहा कि आज 130 करोड़ का देश कोविड के खिलाफ वैक्सीन का सुरक्षा कवच पहन कर तैयार खड़ा है। प्रधानमंत्रीजी ने कोरोना संक्रमण के खिलाफ लड़ाई के लिए जिस तरह रणनीति बनाई, उसकी पूरे विश्व में सराहना हुई है। साथ ही, इस रणनीति से भारत पूर्ण रूप से सुरक्षित भी हुआ है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की हमारी लोक-कल्याणकारी सरकार ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई को एक नया आयाम दिया है और अब 18-59 वर्ष के लोगों के लिए भी मुफ्त में बूस्टर डोज लगाने का निर्णय लिया गया है। विगत 15 जुलाई से 75 दिनों के लिए 18-59 वर्ष के सभी नागरिकों के लिए फ्री बूस्टर डोज लगाने का अभियान शुरू हुआ है। मैं आज अपने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को इसके लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूं और उनकी सोच को भी साधुवाद देता हूं कि उन्होंने नागरिकों के सुरक्षा कवच को और मजबूत करने के लिए समय से पहले ही कदम उठाये।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के तमाम कार्यकर्ताओं को पहले ही इस बात के निर्देश दिए जा चुके हैं कि वे फ्री बूस्टर डोज अभियान के तहत 75 दिनों तक सभी वैक्सीनेशन सेंटर्स पर जाएं और ये सुनिश्चित करें कि यह अभियान सुचारू रूप से चले। पार्टी कार्यकर्ता तीसरे डोज अर्थात् बूस्टर डोज के लिए लोगों को प्रोत्साहित करें और वैक्सीनेशन सेंटर्स की सुविधाओं का जायजा भी लें, ताकि बूस्टर डोज लगवाने आये लोगों को कोई परेशानी न हो। पार्टी कार्यकर्ता इस बात का ध्यान रखें कि कोई वैक्सीनेशन से छूट न जाए और देश का सुरक्षा चक्र कहीं टूट न जाए।

उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में किसी भी देश की सरकार ने इस तरह अपने नागरिकों की चिंता नहीं की है जितनी कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने की है। हमारा वैक्सीनेशन कार्यक्रम न केवल दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे तेज गति से चलनेवाला अभियान है, बल्कि इतने बड़े पैमाने पर अपने नागरिकों के लिए मुफ्त वैक्सीन डोज की भी व्यवस्था किसी और देश ने नहीं की है।

उन्होंने कहा कि मैं आज पुनः पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील करता हूं कि आप घर-घर जाइए, घर-घर संपर्क कीजिए और लोगों को बूस्टर डोज के लिए प्रोत्साहित कीजिए। ■

आपातकाल के दौरान लोकतंत्र को कुचलने के प्रयास किए गए: नरेन्द्र मोदी

आपातकाल के दौरान सभी अधिकार छीन लिए गए थे। इन अधिकारों में संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार शामिल था। उस समय भारत में लोकतंत्र को कुचलने का प्रयास किया गया था। देश की अदालतों, सभी संवैधानिक संस्थाओं, प्रेस, सबको नियंत्रण में ले लिया गया था

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 26 जून को कहा कि भारत में 1975 में लगाए गए आपातकाल के दौरान 'लोकतंत्र को कुचलने' का प्रयास किया गया था। उन्होंने कहा कि दुनिया में ऐसा कोई और उदाहरण खोजना मुश्किल है, जहां लोगों ने लोकतांत्रिक तरीकों से 'तानाशाही मानसिकता' को हराया।

रेडियो पर प्रसारित अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में श्री मोदी ने श्रीमती इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल के दिनों को याद किया और कहा कि उस दौरान सभी अधिकार 'छीन' लिए गए थे।

गौरतलब है कि देश में 25 जून, 1975 को आपातकाल लागू करने की घोषणा की गई थी, जब श्रीमती इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं।

श्री मोदी ने कहा कि आपातकाल के दौरान सभी अधिकार छीन लिए गए थे। इन अधिकारों में संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार शामिल था। उस समय भारत में लोकतंत्र को कुचलने का प्रयास किया गया था। देश की अदालतों, सभी संवैधानिक संस्थाओं, प्रेस, सबको नियंत्रण में ले लिया गया था।

उन्होंने कहा कि सेंसरशिप इतनी सख्त थी कि बिना मंजूरी के कुछ भी प्रकाशित नहीं किया जा सकता था। श्री मोदी ने कहा कि मुझे याद है, जब प्रसिद्ध गायक किशोर कुमार जी ने सरकार की तारीफ करने से इनकार कर दिया था, तब उन्हें प्रतिबंधित कर दिया गया था, उन्हें रेडियो पर आने की अनुमति नहीं थी।

उन्होंने जोर देकर कहा कि कई प्रयासों, हजारों गिरफ्तारियों और लाखों लोगों पर अत्याचार के बावजूद लोकतंत्र में भारतीयों का विश्वास नहीं डगमगाया। श्री मोदी ने कहा कि सदियों से हमारे भीतर बसे लोकतांत्रिक मूल्यों, हमारी रगों में बहने वाली लोकतंत्र की भावना की आखिरकार जीत हुई।

> आपातकाल के दौरान मुझे भी देशवासियों के संघर्ष का साक्षी बनने और उसमें योगदान देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आज जब देश अपनी आजादी के 75 वर्षों का जश्न मना रहा है, तब हमें आपातकाल के काले दौर को नहीं भूलना चाहिए

उन्होंने कहा कि भारत के लोगों ने लोकतांत्रिक तरीकों से आपातकाल से छुटकारा पाया और लोकतंत्र को बहाल कराया। श्री मोदी ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीकों से तानाशाही मानसिकता को हराने का दुनिया में ऐसा उदाहरण मिलना मुश्किल है।

उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान मुझे भी देशवासियों के संघर्ष का साक्षी बनने और उसमें योगदान देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आज जब देश अपनी आजादी के 75 वर्षों का जश्न मना रहा है, तब हमें आपातकाल के काले दौर को नहीं भूलना चाहिए। आने वाली पीढ़ियां भी इसे न भूलें।

लोग समय पर कोविड-19 टीके की एहतियाती खुराक लें

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से अपने परिवार के सदस्यों, खासतौर पर बुजुर्गों के साथ कोविड-19 के टीके की एहतियाती खुराक समय पर लगवाने तथा हाथ स्वच्छ रखने और मास्क पहनने जैसे आवश्यक एहतियाती उपाय करने का आग्रह किया। 'मन की बात' के दौरान श्री मोदी ने कहा कि यह संतोष की बात है कि आज देश के पास टीके का एक व्यापक सुरक्षा कवच मौजूद है।

उन्होंने कहा कि हम 200 करोड़ टीके की खुराक के करीब पहुंच गए हैं। देश में तेजी से एहतियाती खुराक भी लगाई जा रही है। अगर आपकी दूसरी खुराक के बाद एहतियाती खुराक लगाने का समय हो गया है, तो आप यह तीसरी खुराक जरूर लें। अपने परिवार के लोगों को, ख़ासकर बुजुर्गों को भी एहतियाती खुराक लगवाएं। हमें हाथों को स्वच्छ रखने और मास्क पहनने जैसी जरूरी सावधानी भी बरतनी है। प्रधानमंत्री ने लोगों से बारिश में होने वाली बीमारियों से भी सतर्क रहने की अपील की।

उन्होंने कहा कि हमें बारिश के मौसम में आस-पास गन्दगी से होने वाली बीमारियों से भी आगाह रहना है। आप सब सजग रहिए, स्वस्थ रहिए और ऐसी ही ऊर्जा से आगे बढ़ते रहिए। ■

प्रधानमंत्री ने 296 किलोमीटर लंबा बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का किया उद्घाटन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 16 जुलाई को उत्तर प्रदेश के जालौन की उरई तहसील के कैथेरी गांव में 296 किलोमीटर लंबे बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ और राज्यमंत्री एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने बुंदेलखंड क्षेत्र की कड़ी मेहनत, वीरता और सांस्कृतिक समृद्धि की गौरवशाली परंपरा को याद किया। उन्होंने कहा कि इस भूमि ने अनगिनत योद्धाओं को जन्म दिया है और भारत के प्रति समर्पण उनके खून में बहता है। श्री मोदी ने कहा कि स्थानीय बेटे-बेटियों के कौशल और कड़ी मेहनत ने हमेशा देश का नाम रोशन किया है।

नए एक्सप्रेसवे से आने वाले बदलाव के बारे में जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के बन जाने के बाद चित्रकूट से दिल्ली की दूरी में 3 से 4 घंटों की कमी होगी। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेसवे का लाभ इससे कहीं अधिक है। यह एक्सप्रेसवे न केवल यहां वाहनों को गति देगा, बल्कि पूरे बुंदेलखंड की औद्योगिक प्रगति को भी गति प्रदान करेगा।

श्री मोदी ने कहा कि एक्सप्रेसवे से इस क्षेत्र को विकास, रोजगार और स्वरोजगार के कई अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कनेक्टिविटी परियोजनाएं कई क्षेत्रों को जोड़ रही हैं जिन्हें अतीत में नजरअंदाज कर दिया गया था। उदाहरण के लिए बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे सात जिलों— चित्रकूट, बांदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन, औरैया और इटावा से होकर गुजरता है और इसी तरह, अन्य एक्सप्रेसवे राज्य के हर सिरे को जोड़ रहे हैं, जिससे उत्पन्न विकासात्मक स्थिति के कारण उत्तर प्रदेश का हर भाग नए सपनों और नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार इस दिशा में नए जोश के साथ काम कर रही है।

गौरतलब है कि श्री मोदी ने 29 फरवरी, 2020 को बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के निर्माण

की आधारशिला थी। एक्सप्रेसवे का काम 28 महीने के भीतर पूरा कर लिया गया, जो न्यू इंडिया की कार्य-संस्कृति का एक संकेत है, जहां परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाता है।

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के तत्वावधान में लगभग 14,850 करोड़ रुपये की लागत से 296 किलोमीटर लंबे चार-लेन एक्सप्रेसवे का निर्माण किया गया और बाद में इसे छह लेन तक भी विस्तारित किया जा सकता है। ■

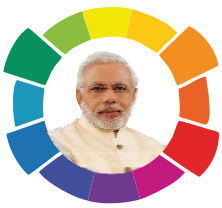

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

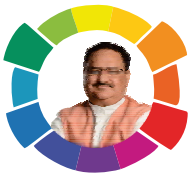

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

नई दिल्ली में 11 जुलाई को नए संसद भवन में राष्ट्रीय प्रतीक के अनावरण समारोह में पूजा–अर्चना करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

देवघर (झारखंड) में 12 जुलाई को देवघर हवाई अड्डे और विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

पटना (बिहार) में 12 जुलाई को बिहार विधानसभा शताब्दी समारोह के समापन अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 18 जुलाई को संसद के मानसून सत्र से पहले मीडिया को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 14 जुलाई को आई2यू2 वर्चुअल समिट को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

जालौन (उत्तर प्रदेश) में 16 जुलाई को बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली "रजिस्टर्ड"
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

आवरण: अजय कुमार सिंह